IMAGINATIONS

A Multiskills English Course Book

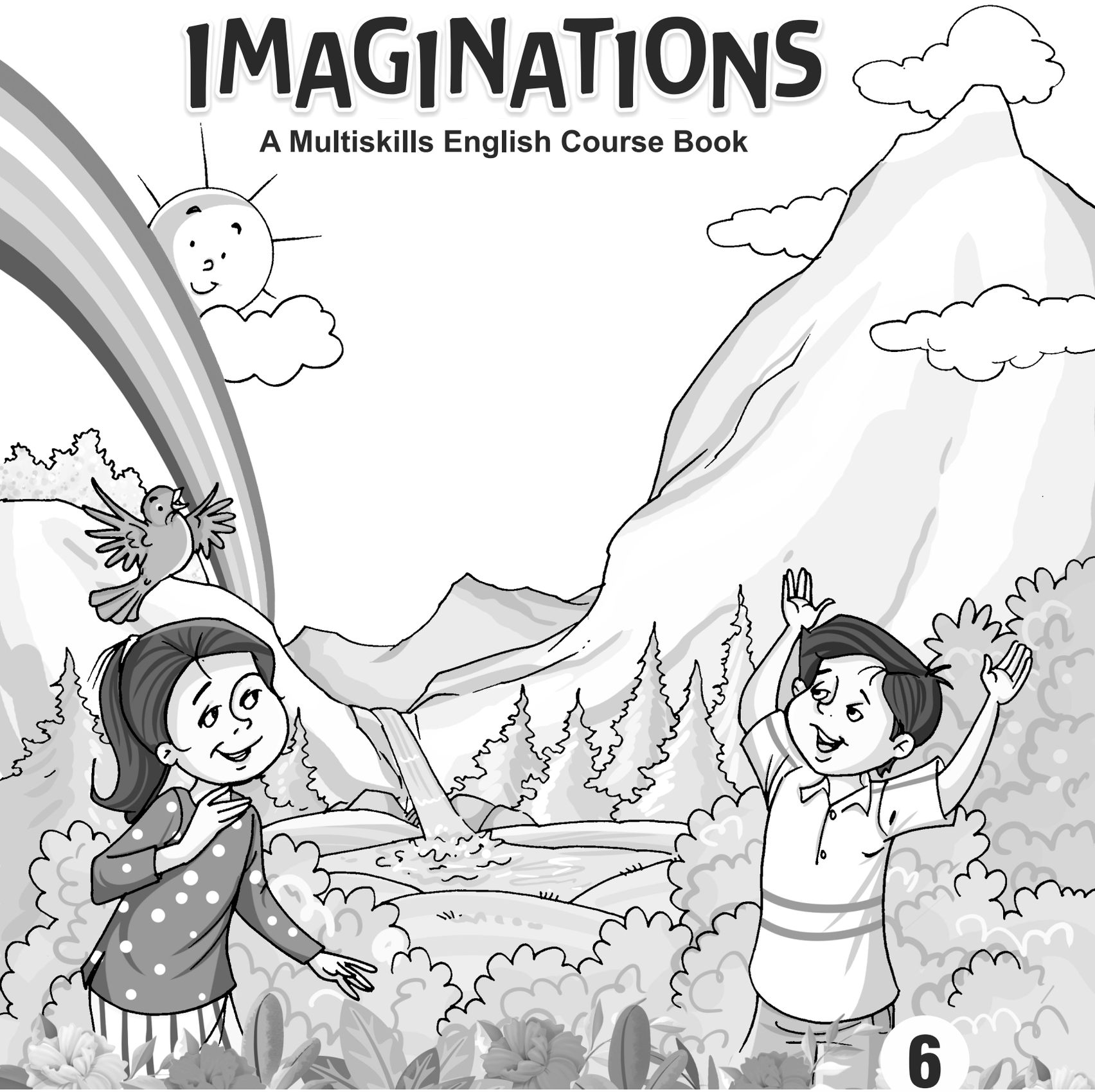

6

GRADE

1. A Different Kind of School

आइए आरंभ करें!

इस अध्याय के चित्रों को देखिए और अनुमान लगाइए कि यह विद्यालय किस प्रकार अन्य विद्यालयों से अलग होगा।

मैंने मिस बीम के विद्यालय के बारे में बहुत सुना था लेकिन पिछले सप्ताह तक मुझे वहाँ जाने का मौका नहीं मिला था।

जब मैं वहाँ पहुँचा तो मुझे लगभग बारह वर्ष की लड़की के अलावा कोई और नहीं दिखाई दिया। उसकी आँखें पट्टी से ढकी थी और उसे एक छोटा लड़का, जो लगभग चार वर्ष छोटा था, उसे सावधानीपूर्वक फूलों की क्यारियों के बीच से लेकर जा रहा था। वह रुकी और ऐसा लगा कि जैसे उसने उससे पूछा कि कौन आया है। मैं उसे मेरा विवरण देता लग रहा था। फिर वे आगे बढ़ गये।

मिस बीम एकदम वैसी ही थी जैसी मैंने उम्मीद की थी—अधेड़, अधिकर से परिपूर्ण मगर मैत्रीपूर्ण और समझदार। उनके बाल भूरे होने लगे थे और उनका शरीर मोटा था जो कि एक गृहातुर बालक को आराम दें। मैंने उनसे उनके शिक्षण के तरीकों, जोकि मैंने सुना था सादा थे, के बारे में कुछ प्रश्न पूछे।

''उनको साधारण वर्तनी, जोड़ना, घटाना, गुणा करना और लिखना जैसे कार्य करना सीखने में सहायता करने से अधिक कुछ भी नहीं। बाकी उनको पढ़कर और दिलचस्प बातचीत से किया जाता है, जिसके दौरान उन्हें बिना हिले-डुले बैठना और हाथों को शान्त रखना होता है। वास्तव में, और कोई पाँच नहीं होता है।''

''इस विद्यालय का वास्तविक उद्देश्य उनको सोचना सिखाना उतना नहीं जितना कि सहृदयता दूसरों के प्रति दयालुता और जिम्मेदार नागरिक बनना सिखाना। क्या आप खिड़की के बाहर एक मिनट देखेंगे?''

मैं खिड़की पर गया जहाँ ऊपर से एक बड़ा बगीचा और उसके पीछे एक खेलने का मैदान दिख रहा था। ''आप क्या देख रहे हैं?' मिस बीम ने पूछा।

''मैं कुछ बहुत सुन्दर मैदान देख रहा है,'' मैं बोला, ''और ढेर सारे प्रसन्न बच्चे। हालाँकि यह देखते हुए मुझे दुख हो रहा है कि वे उतने स्वस्थ और सक्रिय नहीं दिख रहे। जब मैं आया, तो मैंने एक बेचारी लड़की को ले जाए जाते देखा। उसकी आँखों में कुछ समस्या है। अब मैं दो और को उसी समस्या के साथ देख पा रहा हूँ। वहाँ बैसाखी के साथ एक लड़की भी है जो दूसरों को खेलते देख रही है। वह एक विक्लांग लगती है जिसके लिए कोई आशा नहीं दिखती।''

मिस बीम हँसी! ''अरे नहीं!'' वह बोली, ''वह वास्तव में लँगड़ी नहीं है। आजकल लँगड़ा बनने का दिन है। दूसरे भी अँधे नहीं हैं। यह केवल उनका अँधा होने का दिन है।''

मैं बहुत आश्चर्यचकित लगा होऊँगा, क्योंकि वह फिर से हँसी।

''यह हमारी प्रणाली का बहुत महत्त्वपूर्ण भाग है। उन्हें दुर्भाग्य समझने व उसका अनुभव करने के लिए हम उन्हें दुर्भाग्य भी साझा कराते हैं। प्रत्येक सत्र में हर बच्चे का एक अँधा बनने का

दिन, एक लँगड़ा बनने का दिन, एक बहरा बनने का दिन, एक घायल बनने का दिन और एक गूँगा बनने का दिन होता है। अँधा बनने के दिन उनकी आँखों पर कसकर पट्टी बाँधी दी जाती है और उन्हें नहीं झाँकने का वचन देना होता है। पट्टी एक रात पहले बाँधी जाती है जिससे वे अँधे जागते हैं। इसका अर्थ है उन्हें हर कार्य में सहायता की आवश्यकता होती है। दूसरे बालकों को उनकी सहायता करने और लाने-ले जाने का काम दिया जाता है। इस प्रकार, दोनों अँधों व उनके सहायकों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

''इसमें कोई कष्ट नहीं है,'' मिस बीम बोलती रहीं। ''हरेक बहुत दयालु होता है और वास्तव में यह एक खेल के समान है। यद्यपि दिन ढलने से पूर्व ही सबसे अधिक लापरवाह बच्चा भी दुर्भाग्य का अनुभव कर लेता है।''

''वास्तव में अँधा बनने का दिन सबसे अधिक खराब होता है, मगर कुछ बच्चे मुझे बताते हैं कि गूँगा बनने का दिन सबसे मुश्किल होता है। हम बच्चों के मुँह पर पट्टी नहीं बाँध सकते इसलिए उन्हें अपनी इच्छाशक्ति का उपयोग करना होता है। बगीचे में चलो और स्वयं पता कर लो कि बच्चे इसके बारे में क्या महसूस करते हैं।''

मिस बीम मुझे एक पट्टी बाँधे लड़की के पास ले गईं। ''आपसे बात करने के लिए एक सज्जन आये हैं,'' मिस बीम बोलीं और हमें छोड़कर चली गईं।

''क्या आप कभी झाँकती हैं?'' मैंने लड़की से पूछा।

''ओह, नहीं,'' वह चिल्लाई। ''वह तो बेईमानी होगी! मगर मुझे नहीं पता था कि अँधा होना इतना बुरा होगा। आप कुछ भी नहीं देख पाते। आपको लगता है कि आप हर क्षण किसी वस्तु से टकराने वाले हैं। केवल बैठ जाने में ही इतना आराम मिलता है।''

''क्या आपके सहायक आपका ध्यान रखते हैं?'' मैंने पूछा।

''हाँ, ठीक है। मगर वे उतना ध्यान नहीं रखते जितना मैं अपना मौका आने पर रखूँगी। सबसे अच्छे सहायक वे होते हैं जो अँधे बन चुके होते हैं। नहीं देख पाना बहुत भयावह होता है। मैं चाहती हूँ आप भी एक बार कोशिश करें।''

''क्या मैं आपको कहीं ले जा सकता हूँ?'' मैंने पूछा।

''ओह, हाँ,'' वह बोली। ''आइए, थोड़ा टहलते हैं। आपको केवल वस्तुओं के बारे में बताना होगा। आज का दिन समाप्त होने पर मैं कितनी प्रसन्न होऊँगी। दूसरे बुरे दिन इसके आधे भी बुरे नहीं होंगे। मुझे लगता है कि एक पैर बँधा होने और बैसाखी पर कूदना लगभग मजेदार सा ही है। एक हाथ बँधा होना थोड़ा अधिक मुश्किल होता है क्योंकि आप बिना सहायता के खा और इस प्रकार के कार्य नहीं कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि एक दिन के लिए बहरा बनना मुझे बुरा लगेगा—कम-से-कम ज्यादा नहीं। किन्तु अँधा बनना बहुत डरावना है। इस डर से कि मुझे चोट लग जाएगी, मेरे दिल में सदा चिन्ता रहती है। इस समय हम कहाँ है?''

''खेलने के मैदान में,'' मैं बोला। ''हम घर की ओर जा रहे हैं। मिस बीम लम्बी लड़की के साथ बगीचे में टहल रही हैं।''

''लड़की ने क्या पहना है?'' मेरी छोटी मित्र ने पूछा।

''एक नीली सूती स्कर्ट और एक गुलाबी ब्लाउज।''

''मेरे विचार से वह मिली है,'' वह बोली। ''उसके बालों का रंग कैसा है?''

''बहुत हल्का,'' मैं बोला।
''हाँ, वह मिली है। वह हैड गर्ल है।''
''वहाँ एक वृद्ध गुलाब के पौधों को बाँध रहे हैं,'' मैंने कहा।
''हाँ, वह पीटर है। वह माली हैं। वह सैंकड़ों वर्ष के हैं।''
''अब एक घुँघराले लाल बालों वाली लड़की आ रही है। उसने बैसाखी लगा रखी है।''
''वह अनीता है,'' वह बोली।
और इस प्रकार हम टहलते रहे। धीरे-धीरे मुझे पता चला कि अब मैं, जितना मैं अपने आपको सोचता था कि हो सकता हूँ, दस गुना अधिक विचारशील हो गया हूँ। मुझे समझ आ गया कि अगर मुझे किसी और को लोगों और वस्तुओं का विवरण देना हो तो वे मुझे और रोचक लगेंगे। जब अन्त में मुझे जाना था तो मैंने मिस बीम से कहा कि मेरी जाने की इच्छा नहीं हो रही।
''आह!'' उन्होंने उत्तर दिया, ''इसका मतलब मेरी प्रणाली में कुछ तो है।''

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (a)

B. 1. grounds; 2. kind, something; 3. idea, awful

C. 1. The writer visited Mrs. Beam's school as he had heard a great deal about its simple teaching methods.
2. In the school, every child had to act and play like a blind person, lame person, deaf person, injured person and dumb person. This was done to make them appreciate and understand misfortune.
3. The blind day was the hardest. This was so because the child who used to play blind, he/she needed help with everything.
4. The purpose of these special days was to make the children thoughtfulness. This way, they appreciated and understood misfortune.

D. 1. The writer heard a lot of good things about the simple teaching methods being used at Miss Beam's school to teach thoughtfulness to children.
2. The writer had expected Miss Beam to be middle-aged, plump, grey-haired, kindly and understanding and found her to be exactly like that.
3. The writer looked out of a window and saw a large garden.
4. As the children's mouths could not be bandaged, they had to use their willpower in order not to speak.

E. Do it yourself. **F.** Do it youfself.

G. 1. (f) 2. (a) 3. (b) 4. (e)
5. (h) 6. (d) 7. (c) 8. (g)

❑

2. Where Do All the Teachers Go?

आइए आरंभ करें!

एक छोटे बच्चे के लिए एक शिक्षक विशेष होता है। एक छोटे बालक के लिए अपने शिक्षक को एक सामान्य व्यक्ति के रूप में सोचना मुश्किल होता है।

सारे शिक्षक कहाँ जाते हैं
जब चार बज जाते हैं?
क्या वे घरों में रहते हैं
और अपने मोजे धोते हैं?
क्या वे पायजामे पहनते हैं
और टी०वी० देखते हैं?
क्या वे अपनी अंगुली से नाक साफ करते हैं
जैसे आप और हम करते हैं?
क्या वे दूसरों लोगों के साथ रहते हैं
क्या उनके माता–पिता होते हैं?
क्या वे कभी बच्चे थे
क्या वे कभी खराब थे?
क्या उन्होंने कभी वर्तनी सही नहीं लिखी
क्या वे कभी गलतियाँ करते थे?
क्या उन्हें कभी कोने में खड़े होने की सजा मिली
अगर वे चॉकलेट के छिलके चुराते थे?
क्या उन्होंने कभी अपनी प्रार्थना की पुस्तकें खोई
क्या वे अपनी हरी सब्जियाँ छोड़ते थे?
क्या वे मेज के ऊपर अस्पष्ट लिखते थे
क्या वे पुरानी गंदी जीन्स पहनते थे?
मैं आज एक के पीछे जाऊँगा
मैं पता लगाऊँगा वे क्या करते हैं
तब मैं उसे एक कविता में रखूँगा
जो वह आप को पढ़ के सुना सकते हैं।

Exercise

A. 1. (b); 2. (c); 3. (a)

B. 1. wash 2. scribble 3. poem, read

C. 1. The poet wants to know where the teachers go at four o'clock for a child, it is difficult to think of his/her teacher as on ordinary person.
2. The things that normal people do that the poet talks about are that they live in houses, wash their socks, wear pyjamas, watch TV, pick their noses, are bad, make mistakes and wear old dirty jeans.
3. The poet imagines whether the teachers had parents, if they were ever bad, if they were punished, did they love green vegetables and if they wore old dirty jeans.
4. The poet wonders if teachers also do that other people do because it is difficult for him to think of his teacher as an ordinary person.
5. The poet plans to find out by following his teacher back home today. Once he finds out, he will put it in a poem that other people can read.

D. 1. Given punishment to stand in a corner of the room.
2. Leave their green vetetables (did not eat them). ❑

3. Who Did Patrick's Homework?

आइए आरंभ करें!

क्या आपको गृहकार्य अच्छा लगता है? क्या आप उसे स्वयं करते हैं या सहायता लेते हैं? आपका गृहकार्य आमतौर पर क्यों होता है?

पैट्रिक गृहकार्य कभी नहीं करता था। ''बहुत उबाऊ है,'' वह कहता। उसके बजाय वह हॉकी और बेसबॉल और नितेंदो (वीडियो गेम) खेलता। उसके खिक्षक उससे कहते, ''पैट्रिक! अपना गृहकार्य करो अन्यथा तुम कुछ नहीं सीख पाओगे।'' और यह सत्य है, कभी-कभी उसे लगता कि वह मूर्ख है। मगर वह क्या करता? उसे गृहकार्य से चिढ़ थी।

फिर एक दिन उसने अपनी बिल्ली को एक छोटी गुड़िया से खेलते पाया और उसने उसे छीन लिया। उसे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वह गुड़िया बिल्कुल नहीं थी बल्कि सबसे छोटे आकार का एक व्यक्ति था। वह एक छोटी ऊनी कमीज और ऊँची पतलून और जादूगरनी जैसा ऊँचा लम्बा टोप पहने थे। वह चिल्लाया, ''मुझे बचाओ! मुझे उस बिल्ली को मत देना। मैं तुम्हारी एक इच्छा पूरी करूँगा, मैं वादा करता हूँ।''

पैट्रिक को विश्वास नहीं हो रहा था कि वह कितना भाग्यशाली है! उसकी सारी समस्याओं का उत्तर यहाँ था। इसलिए वह बोला, ''केवल अगर तुम इस सत्र, जोकि 35 दिन का है, के अन्त तक मेरा गृहकार्य करो। अगर तुम अच्छा कार्य करो तो मुझे A भी मिल सकते हैं।''

छोटे व्यक्ति के चेहरे पर टोकरी में फेंके गये बर्तन पोंछने के कपड़े जैसी झुर्रियाँ पड़ गईं। उसने अपने पैरों को पटखा और मुट्ठियाँ भींची और मुँह बनाया और चेहरे पर क्रोध का भाव लिए होंठों को सिकोड़ा, ''ओह, मैं श्रापित हूँ। मगर मैं ऐसा करूँगा।''

और अपने दिये वचन के अनुसार, वह जादुई बौना पैट्रिक का गृहकार्य करने लगा। केवल एक समस्या थी। उस बौने को सदा पता नहीं होता था कि क्या करना है और उसे सहायता की आवश्यकता होती थी। वह कहता, ''सहायता करो! सहायता करो!'' और पैट्रिक को, किसी भी प्रकार से, सहायता करनी पड़ती।

''मैं इस शब्द को नहीं जानता,'' पैट्रिक का गृहकार्य पढ़ते समय वह बौना किकियाया। ''मुझे एक शब्दकोश दो। नहीं, और बेहतर होगा, शब्द को देखो और प्रत्येक अक्षर को बोलकर बताओ।''

जब गणित की बात आई, पैट्रिक दुर्भाग्यशाली था।'' पहाड़े क्या होते हैं? ''बौना चीखा। ''हम बौनों को उनकी कभी भी आवश्यकता नहीं होती। और जोड़ना और घटाना और भाग देना और भिन्न। यहाँ, मेरे पास नीचे बैठो। तुम्हें मेरा मार्गदर्शन करना ही होगा।'' बौनों को मानव इतिहास के बारे में कुछ पता नहीं होता, उनके लिए यह रहस्य है। इसलिए छोटा बौना, जो पहले से ही चिल्लाता था, अब और जोर से चिल्लाने लगा। ''पुस्तकालय जाओ, मुझे पुस्तकों की आवश्यकता है, अधिक-से-अधिक पुस्तकें। और तुम भी उन्हें पढ़कर मेरी सहायता कर सकते हो।''

सच्चाई तो यह है, प्रत्येक दिन और हर तरीके से वह छोटा बौना पीछे पड़ने वाला था। पैट्रिक सदा से अधिक मेहनत कर रहा था और यह बहुत उबाऊ था। वह रातों को जाग रहा था, कभी इतनी थकान महसूस नहीं की थी और वह धुँधली और फूली आँखें लिए विद्यालय जा रहा था।

आखिरकार, विद्यालय का अन्तिम दिन आ गया और बौना जाने के लिए आजाद था। जहाँ तक गृहकार्य का प्रश्न था, वह अब नहीं बचा था, इसलिए वह शान्ति और चुपके से पिछले दरवाजे से खिसक गया।

पैट्रिक को उसके A मिल गये, उसके सहपाठी आश्चर्यचकित थे, उसके शिक्षक मुस्कराए और उसकी प्रशंसा से भरे हुए थे और उसके माता-पिता? वे सोच रहे थे कि पैट्रिक को क्या हुआ। वह अब एक आदर्श बच्चा था। अपना कमरा साफ करता, अपने कार्य करता, प्रसन्न रहता, कभी शरारत नहीं करता, जैसे उसने एक नई ही भावना विकसित कर ली हो।

आप देखिए, अन्त में, पैट्रिक अभी भी सोचता था कि उसने उसे छोटे व्यक्ति से अपना सारा गृहकार्य कराया। मगर मैं एक रहस्य साझा करुँगा, केवल मेरे और आप के मध्य, पैट्रिक ने उसे स्वयं ही किया था।

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (b)

B. 1. wrinkled 2. glitch 3. elf

C. 1. Patrick thought that his cat was playing with a little doll. It really was a man of the tiniest size, an elf.

2. The little man granted Patrick a wish because he didn't want to be given back to that cat.

3. Patrick did his homework himself because the elf didn't know what to do and needed help. Patrick was getting books from the library and working hard himself. This way, he was actually doing his homework.

D.
1. He had a little wool shirt with old-fashioned britches and a high tall hat much like a witch's.
2. He yelled, "Save me! Don't give me back to that cat. I'll grant you a wish, I promise you that."
3. So he said, "Only if you do all my homework till the end of semester, that's 35 days.
   If you do a good enough job, I could even get A's.
4. No, what's even better, look up the word and sound it by each letter.
5. Elves know nothing of human history, to them it's a mystery.
6. As a matter of fact, every day in every way that little elf was a nag!
   Patrick was working harder than ever and was it a drag!
7. And addition and subtraction and division and fractions?
8. Here, sit down beside me, you simply must guide me.
9. So the little elf, already a shouter, just got louder.
10. Go to the library, I need books. More and more books.
11. He was staying up nights, had never felt so weary, was going to school with his eyes puffed and bleary.
12. Patrick got his A's; his classmates were amazed; his teachers smiled and were full of praise.
13. Cleaned his room, did his chores, was cheerful, never rude, like he had developed a whole new attitude.
14. It wasn't the elf;
    Patrick had done it himself.

E.
1. The elf asked Patrick to get a large number of books from the library.
2. The work is very difficult to do.
3. As the boy got up late in the morning, he missed the school bus.
4. The girl used her intelligence and easily solved the mystery.

F. Do it yourself.

G. Do it yourself.

H. Do it yourself.

I.

1. mystery	2. look up	3. between you and me
4. chores	5. out of luck	6. True to his words
7. semester		

J. **Across (→)**

1. W**EA**R**Y**
2. S**COWLE**D
3. B**REE**C**HES**
4. GL**ITCH**
5. E**LF**

Down (↓)

6. C**HORE**S
7. HA**MPE**R
8. **SH**R**IEKE**D

❑

4. A House, A Home

आइए आरंभ करें!

एक मकान और एक घर में क्या अन्तर है? अपने साथी से चर्चा करिए। फिर कविता को पढ़िए।

एक मकान क्या होता है?
यह ईंट और पत्थर
और कड़ी लकड़ी होता है।
कुछ खिड़की के शीशे
और शायद एक गज।
यह छज्जा और चिमनी
और कुछ टाइल के फर्श
और पलस्तर और छत
और ढेर सारे दरवाजे।
एक घर क्या होता है?
यह प्रेम और परिवार
और दूसरों के लिए करना होता है।
यह भाई और बहनें
और पिता और माताएँ होता है।
यह निस्वार्थ कार्य
और दयालुता को साझा करना
और प्रेम करने वालों को दिखाना
आप सदा उनका ध्यान रखते है।

Exercise

A. 1. (c); 2. (c); 3. (a)

B. 1. brick, wood 2. window, perhaps 3. loving, family

C. 1. A house comprises of brick, stone, wood, window glass, perhaps a yard, eaves and chimneys, tile floors, stucco, roof and a lot of doors.

2. In the poem, a home has been described as comprising of brothers, sisters, fathers and mothers. It is further described as loving and family and doing for others. It's unselfish acts and kindly sharing and showing your loved ones that you're always caring.

3. Yes, I fully agree with what the poet says.

D. Do it yourself.

E. (i) A house is made of **brick, stone, wood and glass.**
(ii) It has **eaves and chimneys and tile floors and stucco and roof and lots of doors.**
(iii) A home is made by **loving and family and doing for others.**
(iv) It has **brothers and sisters and mothers and fathers.**

❑

5. How the Dog Found Himself a New Master!

आइए आरंभ करें!

आप शायद जानते हैं कि कुत्ते और भेड़िए के नजदीकी सम्बन्ध हैं। आपको शायद यह भी पता हो कि किस प्रकार मानवों ने जंगली जीवों को घरेलू और पालतू बनाया है। कुत्ता पालतू जीव कैसे बना, यह कहानी उसके बारे में है।

एक समय कुत्ते स्वयं अपने मालिक थे और भेड़ियों की तरह ही स्वतन्त्रता से रहते थे जब तक कि एक कुत्ते का जन्म न हुआ जोकि इस प्रकार के जीवन से अप्रसन्न था। वह स्वयं के लिए भोजन तलाशने के लिए भटकने और स्वयं से अधिक शक्तिशाली जीवों से डरने से थक गया था।

उसने इसके बारे में सोचा और निर्णय लिया कि उसके लिए सबसे बढ़िया कार्य होगा कि ऐसे का नौकर बन जाए जो पृथ्वी पर सबसे अधिक शक्तिशाली हो, और वो ऐसे ही मालिक को ढूँढ़ने चल दिया।

वह चलता गया, चलता गया जब तक कि उसे अपना एक रिश्तेदार न मिला, एक बड़ा भेड़िया न मिला जोकि उतना ही शक्तिशाली था जितना वह डरावना व हिंसक था।

''तुम कहाँ जा रहे हो, कुत्ते?'' भेड़िए ने पूछा।

''मैं किसी का सेवक बनने के लिए उसे ढूँढ़ रहा हूँ। क्या आप मेरा मालिक बनना चाहेंगे, भेड़िए?''

''क्यों नहीं!'' भेड़िया बोला और सहमति हो जाने पर दोनों साथ चल दिए। चे चलते गए और चलते गए कि अचानक भेड़िए ने अपनी नाक उठाई, सूँघा, जल्दी से रास्ते से उतर झाड़ियों में जा घुसा और गहरे जंगल में सरक गया। कुत्ते को बहुत आश्चर्य हुआ।

''आपको क्या हुआ, मालिक?'' उसने पूछा। ''किसने आपको इतना डरा दिया?''

''क्या तुम देख नहीं सकते?'' वहाँ एक भालू है और वह तुम्हें और मुझे, दोनों को खा सकता है।''

यह देखते हुए कि भालू भेड़िए से अधिक शक्तिशाली था, कुत्ते ने उसका सेवक बनने का निर्णय लिया, उसने भेड़िए को छोड़ दिया और भालू से अपना मालिक बनने को कहा। भालू इसके लिए तुरन्त सहमत हो गया और बोला, ''चलो हम चलकर गायों का झुण्ड ढूँढ़ते हैं। मैं एक गाय को मारूँगा और फिर हम दोनों पेट भर खाएँगे।''

वे चलते गए और उन्होंने जल्दी ही गायों का एक झुण्ड देखा, मगर जैसे ही वे उस तक पहुँचने वाले थे, वे एक भयानक शोर सुनकर रुक गये। गाय जोर से रँभा रही थीं और डर से हर दिशा में भाग रही थीं।

भालू ने एक वृक्ष के पीछे से देखा और फिर वह भी जल्दी से गहरे जंगल में भाग गया।

''अब मुझे यहाँ क्यों आना था!'' उसने कुत्ते से कहा। यह तो शेर जिसका वन के इन भागों में शासन चलता है।''

''शेर? वह कौन है?''

''क्या तुम नहीं जानते? वह पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली हिंसक जीव है!''

''तब ठीक है, मैं आपको अलविदा कहता हूँ, भालू। मुझे ऐसा मालिक चाहिए जो पृथ्वी पर सबसे अधिक शक्तिशाली हो।''

और कुत्ता शेर को उसका मालिक बनने के लिए कहने चला गया। शेर इसके लिए सहमत हो गया और कुत्ता बहुत लम्बे समय तक उसके साथ रहा और उसकी सेवा की। यह अच्छा जीवन था और उसको कोई शिकायत नहीं थी, क्योंकि जंगल में शेर से अधिक शक्तिशाली जीव न था और किसी की हिम्मत नहीं थी कि वह कुत्ते को छुए या परेशान करे।

मगर एक दिन जब वे दोनों एक साथ ऊँची, नंगी चट्टानों के बीच से गुजरते एक रास्ते पर जा रहे थे कि अचानक शेर रुक गया। वह जोर से दहाड़ा और धरती पर अपना पंजा गुस्से में इतने जोर से पटका कि वहाँ एक गड्ढा बन गया। फिर वह बहुत शान्ति से पीछे खिसकने लगा।

''क्या हुआ, मालिक, कुछ गलत है?'' आश्चर्य से कुत्ते ने पूछे।

''मैं इस ओर आते एक मानव को सूँघ रहा है,'' शेर बोला। ''बेहतर होगा कि हम भाग ले अन्यथा हम मुसीबत में पड़ जाएँगे''

''तब ठीक है, मैं आपको अलविदा कहता हूँ, शेर। मुझे ऐसा मालिक चाहिए जो पृथ्वी पर सबसे अधिक शक्तिशाली हो।''

और कुत्ता मानव के पास चला गया और उसके साथ रहकर उसकी निष्ठापूर्वक सेवा करता रहा। यह बहुत समय पहले हुआ था मगर आज भी कुत्ता मानव का निष्ठावान सेवक है और किसी और मालिक को नहीं जानता।

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (a)

B. 1. kinsman 2. herd 3. loyal

C. 1. The dog felt the need for a master because he was sick and tired of wandering about by himself looking for food and being frightened of those who were stronger than he.

2. He first chose the wolf to be his master. He left that master because he was frightened of the bear.

3. He served the Lion for a long time because it was a good life and he had nothing to be afraid of, for there was no stronger beast in the forest than the Lion and no one dared touch the Dog or offend him in any way.

4. He finally chose man as his master because he was stronger than anyone on earth.

D. This is the story of **a dog**, who used to be **his own master**. He decided to find a master **stronger than anyone else**. First he found **a wolf**, but the wolf was afraid of **the bear**. The dog thought that the bear was **the strongest of all**. After some time the dog met **a lion**, who seemed the strongest. He stayed with the lion for a long time. One day he realised that the lion was **afraid of man**. To this day, the dog remains man's best friend.

E. Do it yourself.

F.

1. herd	2. fleet	3. pack	4. bundle
5. bunch	6. brood	7. herd	8. school

G.

1. honesty	2. kindness	3. cruelty	4. calmness
5. sadness	6. activity	7. creativity	8. sincerity
9. cheerfulness	10. bitterness	11. sensitivity	12. greatness

H.

A	H	A	S	T	Y	D	U	L	M	N	P
N	F	L	U	V	Q	T	B	O	A	L	Z
G	Z	M	R	X	R	V	D	Y	F	Q	O
R	X	O	P	W	S	F	O	A	B	U	C
Y	C	P	R	E	A	D	Y	L	D	I	F
D	G	Q	I	Y	F	I	E	R	C	E	D
A	H	R	S	T	R	O	N	G	H	T	J
X	W	S	E	Z	E	A	B	H	K	S	K
G	O	O	D	A	E	C	A	I	J	T	L
F	R	I	G	H	T	E	N	E	D	W	M
B	S	J	C	B	L	D	F	J	K	X	V
E	E	K	D	E	M	B	E	L	M	U	Y

❑

6. The Kite

आइए आरंभ करें!

आकाश में उड़ती पतंग के बारे में इस कविता को पढ़िए।
नीले आकाश में कितनी चमकीली लगती है
एक पतंग जब वो नई होती है!
नीचे स्तर पर गोते के साथ

यह अपनी पूँछ को मोड़ती है
फिर जहाज के समान हवा में ऊँचा उड़ती है
केवल एक पाल के साथ!
जैसे पवन के ज्वारभाटों
के ऊपर ये तैरती है,
चढ़ती है शीर्ष पर
एक झोंके के और खींचती है,
फिर लगता है आराम कर रही है
जब पवन बंद हो जाती है।
जब मांझा ढीला हो जाता है
आप खींचते इसे वापस है
और भागते हैं जब तक
नई समीर बहने लग जाती है
और इसके पंख भर जाते हैं
और वायु में यह उठ जाती है!
नीले आकाश में कितनी चमकीली लगती है
एक पतंग जब के नई होती है!
मगर इससे अधिक जीर्ण शीर्ण वस्तु
आप नहीं देख पाएँगे
जब यह माँझे पर फड़फड़ाती है
वृक्ष की चोटी पर लटके हुए

Exercise

A. 1. (b); 2. (c); 3. (a)

B. 1. soars, sail 2. tides, rides 3. crest, pulls

C. 1. In the poem, 'blue' is the sky.
2. We wind the kite back when the wind falls and string goes slack.
3. The raggeder thing we will never see is when the kite flaps on a string in the top of a tree.

D. dive, dip, snaps, **soars**, **climbs**, **pulls**, **goes**, **flaps**

E.

He runs like	**a hare**
He eats like	**a hog (pig)**
She sings like	**a nightingale**
It shines like	**a diamond**
It flies like	**an eagle**

F. Do it yourself.

❑

7. Taro's Reward

आइए आरंभ करें!

यह एक सहृदय व प्रेम करने वाले पुत्र की कहानी है। अपने माता-पिता की इच्छाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करता है और अप्रत्याशित सहायता पाता है।

तारो नामक एक नौजवान लकड़हारा अपनी माँ और पिता के साथ एक एकाकी पहाड़ी की तलहटी में रहता था। वह पूरे दिन जंगल में लकड़ियाँ काटता। यद्यपि वह कड़ी मेहनत करता, वह बहुत कम पैसे कमाता था। यह उसे उदास कर देता क्योंकि वह सहृदय पुत्र था जो अपने वृद्ध माता-पिता को उनकी आवश्यकता की हर वस्तु देना चाहता था।

एक शाम जब तारो और उसके माता-पिता अपनी झोपड़ी के एक कोने में बैठे थे, तीव्र पवन बहना आरंभ हो गई। यह झोपड़ी की दरारों में से साँय-साँय बहने लगी और हरेक को बहुत ठण्ड लग रही थी। अचानक तारो के पिता बोले, ''मेरी एक प्याला सेक की इच्छा हो रही है, वह मुझे गुनगुना और मेरे बूढ़े हृदय को अच्छा कर देगी।''

इसने तारो को सबसे अधिक उदास कर दिया क्योंकि सेक नामक पेय बहुत महँगी थी। ''मैं अधिक पैसे कैसे कमाऊँ?'' उसने स्वयं से पूछा। ''मैं अपने बेचारे वृद्ध पिता के लिए थोड़ी से सेक कैसे लाऊँ?'' उसने पूर्व से अधिक मेहनत करने का निर्णय लिया।

अगले सवेरे, तारो समय से पूर्व बिस्तर से उठा और जंगल को गया। जैसे-जैसे सूरज चढ़ता गया, तारो लकड़ी काटता रहा और जल्दी वह इतना गर्म हो गया कि उसे अपनी जैकेट उतारनी पड़ी। उसका मुँह सूख गया था और उसका चेहरा पसीने से गीला हो गया था। ''मेरे बेचारे वृद्ध पिता!'' उसने सोचा। ''काश, वे भी मेरे जितने ही गर्म होते!''

और उसी के साथ, वह यह सोचते हुए कि वृद्ध व्यक्ति की हड्डियों को गर्म करने की सेक खरीदने के लिए उसे अतिरिक्त पैसे कमाने होंगे और तेजी से लकड़ियाँ काटने लगा।

तभी अचानक तारो ने काटना बंद कर दिया। वह उसने क्या ध्वनि सुनी? क्या वह बहता जल हो सकता है?

तारो को याद नहीं आ रहा था कि उसने कभी भी जंगल के उस भाग में तेजी से बहती छोटी नदी देखी या सुनी हो। उसे प्यास लगी थी। उसके हाथों से कुल्हाड़ी छूट गई और वह ध्वनि की दिशा की ओर भागा।

एक चट्टान के पीछे उसने छुपा हुआ एक सुन्दर छोटा झरना देखा। एक स्थान पर, जहाँ जल शान्ति से बह रहा था, झुकते हुए उसने हाथों को प्याले के आकार का बनाकर थोड़ा जल लिया और अपने होंठों पर लगाया। क्या वह जल था? या वह सेक था? उसने बार-बार उसे चखा और हर बार, ठंडे जल के स्थान पर, वह स्वादिष्ट सेक था।

तारो ने जल्दी से अपने साथ रखे घड़े को भरा और जल्दी से घर चला गया। वृद्ध व्यक्ति सेक से बहुत प्रसन्न हुआ। उसका एक घूँट लेते ही उसका काँपना बंद हो गया और उसने फर्श के मध्य में एक छोटा सा नाच नाचा।

उसी दोपहर, एक पड़ोसन उनके घर आई। तारो के पिता ने उसे आदर से सेक का एक प्याला दिया। उस महिला ने उसे लालच से पिया और वृद्ध को धन्यवाद दिया। फिर तारो ने उसे जादुई झरने की कहानी बताई। उन्हें स्वादिष्ट पेय के लिए धन्यवाद देते हुए वह जल्दी से चली गई। रात होने तक उसने वह कहानी पूरे गाँव में फैली दी थी।

उस शाम लकड़हारे के घर आगंतुकों का ताँता लग गया। प्रत्येक व्यक्ति ने झरने की कहानी सुनी और सेक का घूँट लिया। एक घंटे से कम समय में घड़ा खाली हो गया।

अगले सवेरे, तारो पिछले सवेरे से भी पहले कार्य के लिए चल दिया। ''वह अपने साथ अपना सबसे बड़ा घड़ा लिए हुए थे क्योंकि उसकी योजना सबसे पहले झरने पर जाने की थी। जब वह वहाँ पहुँचा, अपने सारे पड़ोसियों को वहाँ देखकर उसे बहुत आश्चर्य हुआ। वे घड़े, सुराहियाँ, बाल्टियाँ–जादुई सेक को भरने के लिए उन्हें जो भी मिला, लिए हुए थे। फिर एक ग्रामीण झुका और पीने के लिए अपने मुँह को झरने के नीचे रखा। उसने बार–बार पिया और फिर गुस्से से चिल्लाया, ''जल, कुछ और नहीं केवल जल!'' दूसरों ने भी प्रयास किये मगर वहाँ कोई सेक नहीं, केवल ठंडा जल था।

''हमें धोखा दिया गया है!'' ग्रामीण चिल्लाए। 'तारो कहाँ है? हम उसे इस झरने में डुबा देते हैं।'' मगर तारो बुद्धिमान था जो हालात को देखकर एक चट्टान के पीछे छुप गया था। वह कहीं नहीं मिला।

अपने गुस्से और निराशा में बुदबुदाते हुए, वे उस स्थान से एक–एक कर चले गये। तारो अपने छुपने के स्थान से बाहर आ गया। क्या यह सत्य था? उसने सोचा। क्या सेक एक सपना था? एक बार, उसने थोड़ा जल अपने हाथ में लेकर अपने होठों से लगाया। यह तो वही अच्छी सेक थी। जादुई झरना सहृदय पुत्र को स्वादिष्ट सेक देता था। हरेक को यह केवल ठंडा जल देता था।

तारो और उसके जादुई झरने की कहानी जापान के सम्राट तक पहुँची। उन्होंने नौजवान लकड़हारे को बुलवाया और इतना अच्छा और दयालु होने के लिए सोने के बीस टुकड़ों का इनाम दिया। फिर उसने नगर के सबसे सुन्दर फव्वारे का नाम तारो के नाम पर रख दिया। यह, सम्राट बोले, सारे बच्चों को अपने माता–पिता का सम्मान करने व आज्ञा मानने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा।

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (a)

B. 1. little 2. whistled, cracks 3. waterfall, rock

C. 1. Taro ran in the direction of the stream because he could not remember ever seeing or hearing a rushing stream in that part of the forest.

2. The waterfall gave Taro sake because he was a thoughtful son but gave cold water to others because they were selfish.

3. The villagers wanted to drown Taro because they thought that he had tricked them.

4. The Emperor rewarded Taro because to encourage all children to honour and obey their parents.

D.

thoughtful	hardworking	loving	ho✗est
considerate	trust✗worthy	eff✗ient	kind

E. 1. (iii) 2. (ii)

F. young – lung; sad – bad; money – sunny; chop – stop; last – fast; wax – axe; could – wood; sound – round; way – day

G. 1. A **young** woodcutter lived on a **lonely** hillside. He was a **thoughtful** son who worked **hard** but earned **little** money. One day he saw a **beautiful** waterfall hidden behind a rock. He tasted the water and found it **delicious**.

2. (i) sadder (ii) harder (iii) earlier (iv) faster (v) earlier

H. 1. last, cast 2. fed, red 3. tongue, lung 4. axe, tax 5. shop, drop

I. Do it yourself.

J. (i) Do it yourself
(ii) Do it yourself.

K. Do it yourself.

L. Do it yourself.

❑

8. The Quarrel

आइए आरंभ करें!

भाइयों और बहनों में लड़ाई होना आम बात है, यद्यपि कभी-कभी वे ये भी नहीं बता पाए कि वे लड़ते क्यों हैं। मगर ऐसी लड़ाई कितनी लम्बी चलती है? उनका अन्त कैसे होता है?

मेरी मेरे भाई से लड़ाई हो गई
मुझे नहीं पता किस बारे में,
एक बात से दूसरी बात निकली
और किसी तरह से हमारी बातचीत बंद हो गई।
इसका आरंभ मामूली था,
इसका अंत जोरदार था,
उसने कहा वह सही था,
मैं जानती थी वह गलत था!
हम एक दूसरे से चिढ़ते थे,
पूरी दोपहर बेकार हो गई,

तभी अचानक मेरे भाई ने
मेरी पीठ पर धौल जमाई,
और बोला, ''ओह, चलो भी!
हम पूरी रात नहीं लड़ सकते हैं—
मैं ही गलत था।''
इस बात के लिए वह सही था।

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (a)

B. 1. quarreled 2. right 3. knew

C. 1. The poetess and her brother had a quarrel.
2. The reason for the quarrel was that while her brother said he was right, the poetess knew he was wrong.
3. Suddenly, the poetess' brother thumped her on the back and said that he was in the wrong.

D. Do it yourself.

E. (i) We had a quarrel and stopped talking to each other.
(ii) As we had a fight, the afternoon became grim.

F. Do it yourself.

❑

9. An Indian–American Woman in Space : Kalpana Chawla

आइए आरंभ करें!

1997 में, एक भारतीय–अमेरिकी, कल्पना चावला, अमेरिकी अन्तरिक्ष शटल कोलंबिया पर सवार अन्तर्राष्ट्रीय चालक दल का हिस्सा थीं, अन्तरिक्ष में जाने वाली भारत में जन्मी प्रथम महिला बनीं। दुर्भाग्यवश कोलंबिया के दूसरे मिशन का अन्त त्रासदी में हुआ।

एक समाचार रिपोर्ट

अन्तरिक्ष में त्रासदी

अमेरिकी अन्तरिक्ष शटल कोलंबिया आग की लपटों में घिर गया। एक अभूतपूर्व अन्तरिक्ष त्रासदी में, भारत में जन्मी अमेरिकी अन्तरिक्ष यात्री कल्पना चावला और छह अन्य लोगों को ले जा रहा अमेरिकी अन्तरिक्ष शटल कोलंबिया, शनिवार 1 फरवरी, 2003 को जैसे ही टेक्सास से अपनी लैंडिंग स्ट्रिप की ओर बढ़ा, आग की लपटों में घिर गया और उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई।

लैडिंग के लिए आते ही शटल का नासा से सुबह करीब 9 बजे (भारतीय समयानुसार 19.30 बजे) सम्पर्क टूट गया। यह 200,000 फीट से अधिक की ऊँचाई पर उड़ रहा था और 20,000 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा कर रहा था, जब ग्राउंड कंट्रोल का अन्तरिक्ष यान से सम्पर्क टूट गया। कोलंबिया ने 16 जनवरी, 2003 को फ्लोरिडा के कैनेडी अन्तरिक्ष केन्द्र से उड़ान भरी थी। यह 16 दिनों तक कक्षा में रहा था और सात सदस्यीय दल ने अपनी नीचे की ओर यात्रा शुरू करने से पहले जो त्रासदी में समाप्त हुई, 80 प्रयोग किये। यह कोलंबिया की 28वीं अन्तरिक्ष उड़ान थी और शटल को 100 उड़ानों के लिए अच्छा बताया गया था।

कल्पना चावला ने कहा कि, करनाल में बालक के रूप में, उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वे अन्तरिक्ष की सीमाएँ लाँघेंगी। यह पर्याप्त था कि टैगोर स्कूल से पढ़ाई समाप्त करने के पश्चात् उनके माता-पिता ने उन्हें इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला लेने दिया।

एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री के बाद, अपने पिता के विरोध के विरुद्ध, वह मास्टर्स डिग्री लेने अमेरिका गई। बाद में उन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पी०एच-डी० हासिल की। कल्पना चावला पहली भारतीय-अमेरिकी महिला अन्तरिक्ष यात्री थीं जो केप कैनवेरल, फ्लोरिडा लाँचपैड से उड़ी और अन्तरिक्ष में एक सफल अन्तरिक्ष मिशन में भाग लिया। कैनेडी स्पेस सेंटर के स्टॉफ के साथ भारत में उनका परिवार, कोलंबिया को उड़ान भरते देख, तालियाँ बजा रहा था।

कल्पना का जन्म हरियाणा के करनाल में हुआ मगर फ्लाइट इंस्ट्रक्टर ज्याँ-पिये हैरीसन से विवाहित होने के कारण वे एक देशीयकृत अमेरिकी नागरिक थीं। एक अन्तरिक्षयात्री होने के साथ उन्हें सिंगल और मल्टी-इंजन लैंड एयरप्लेन, सिंगल-इंजन सीप्लेन और ग्लाइडर का भी लाइसेन्स प्राप्त था। वे एक प्रमाणित फ्लाइट इन्सट्रक्चर भी थीं। पायलट बनने के पश्चात् कल्पना एक चुनौती पर विचार करने लगीं: नासा के अन्तरिक्ष शटल प्रोग्राम में आवेदन करना। उन्हें नासा में रिसर्च असिस्टेंट के पद पर रखा गया। 1994 में उन्हें नासा द्वारा अन्तरिक्षयात्री के प्रशिक्षण के लिए चुना गया।

जब पूछा गया कि अपने क्षेत्र में महिला होना कैसा था, उन्होंने उत्तर दिया, ''पढ़ते अथवा कुछ भी करते समय मैंने वास्तव में यह कभी नहीं सोचा था कि मैं एक महिला या एक छोटे नगर अथवा दूसरे देश से हूँ। मेरे भी दूसरों के लगभग ही जैसे सपने थे और मैंने उनका पीछा किया और सौभग्य से, मेरे आस-पास जो लोग थे, उन्होंने मुझे सदा प्रोत्साहित किया और कहा, ''अगर तुम यही करना चाहती हो, लगी रहो।''

अन्तरिक्ष शटल कोलंबिया में कल्पना का पहला अन्तरिक्ष मिशन 15 दिन, 16 घंटे और 34 मिनट लम्बा था। इस समय के दौरान उन्होंने 252 बार पृथ्वी का चक्कर लगाया और 1.045 करोड़ मील की यात्रा की। चालक दल में एक जापानी और एक यूक्रेनी अन्तरिक्षयात्री भी थे। चालक दल ने अन्तरिक्ष में भोजन वृद्धि करने के लिए पौधों में परागण और मजबूत धातु और तेज कम्प्यूटर चिप्स बनाने जैसे प्रयोग किये—यह सब 56 मिलियन डॉलर की कीमत पर।

शनिवार की रात जब कोलंबिया आपदा का समाचार आया, हर ओर सदमा और अविश्वास था। करनाल नगर ने रात जाग कर काटी चूँकि हजारों घर, इस उम्मीद में कि कल्पना और

चालक दल किसी प्रकार का बच गए होंगे, अपने टेलीविजन सैटों से चिपके रहे। एक पत्रकार ने लिखा—

वह एक नायिका थीं। एक अन्तरिक्ष यात्री बनने के लिए अत्यधिक क्षमता की आवश्यकता होती है। आपको जीव विज्ञान से लेकर एस्ट्रोफिजिक्स से लेकर एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग तक हर चीज के बारे में बहुत कुछ जानने की आवश्यकता होती है। सुपर-स्पेशलाइजेशन के इस युग में एक अन्तरिक्ष यात्री बनने के लिए आपके पास विश्वकोषीय ज्ञान होना चाहिए। उनकी उपलब्धि विस्मयकारी है।

एक छोटे नगर की लड़की कल्पना चावला, जिसने आकाश छू लिया, की कहानी लाखों युवा भारतीयों के लिए एक प्रेरणा बन गई है। अन्तरिक्ष शटल कोलंबिया से चंडीगढ़ में अपने कॉलेज के छात्रों को भेजे संदेश में कल्पना ने कहा, ''सपनों से सफलता तक का रास्ता मौजूद है। आपके पास इसे खोजने की दृष्टि हो, इसमें प्रवेश करने का साहस हो.....आपकी शानदार यात्रा के लिए शुभकामनाएँ। ''निश्चित रूप से ऐसे अनेक लोग होंगे जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए इस यात्रा पर निकलेंगे।

Exercise

A. 1. (c); 2. (c); 3. (a)

B. 1. naturalised 2. instructor 3. shock, disbelief

C. 1. Kalpana Chawla is called an Indian-American because she was an American citizen who was born in India.

2. According to the journalist, an astronaut must knows a lot about everything, from biology to astrophysicto aeronautical engineering. He/She must have encyclopaedic knowledge.

3. Kalpana Chawla first mission in space was in space shuttle Columbia. It was 15 days, 16 hours and 34 minutes, during this time, she went around the earth 252 times and travelled 10.45 million kilometres. In this mission, the crew conducted experiments such as pollinating plants to observe food growth in space and tests for making stronger metals and faster computer chips. The mission had a price tag of 56 million dollars.

4. About pursuing a dream, Kalpana Chawla said that one needs to believe that the path from dreams to success does exist. One just needs to have a vision to find it, and the courage to get into it.

D. 1. (f) 2. (e) 3. (d) 4. (g)
5. (b) 6. (a) 7. (c)

E. Do it yourself.

F. Do it yourself.

G. 1. **Blast off :** To blast off from its launch pad, a spacecraft needs massive engine power.

2. **On board :** On our way to Dubai, there were about 200 people on board the flight.
3. **Streaked over :** Last night, a shooting star streaked over our heads in the sky.
4. **Cheered along :** As Virat Kohli neared his century, the spectators cheered along.
5. **Spread across :** The huge agricultural farm was spread across 200 acres.
6. **Lifted off :** The huge spacecraft lifted off the launch pad with a great roaring sound.
7. **Carry on :** However many obstacles there may be, we should carry on with our work.
8. **Broke apart :** The aircraft broke apart when it crashed at the airport.
9. **Went on :** Despite the accident, the travellers went on their journey.

H.

1. unidentified	2. uncontrolled	3. unattended
4. unsuccessful	5. unimportant	6. uneducated
7. uninteresting	8. unqualified	9. untrained
10. unanswerable		

I.

British	*American*
1. centre	**center**
2. offence	**offense**
3. colour	**color**
4. realise	**realize**
5. **traveller**	traveler
6. **defence**	defense
7. **labour**	labor
8. **theatre**	theater
9. counsellor	counselor
10. **organise**	organize

❑

10. Beauty

आइए आरंभ करें!

सुन्दरता क्या है? सुन्दरता का वर्णन करने का प्रयास करिए अथवा ऐसी वस्तुओं या लोगों की सूची बनाइए जो आपको सुन्दर लगते हैं।

सुन्दरता दिखाई देती है
सूर्य के प्रकाश में,
वृक्षों में, पक्षियों में,

उगते दानों और काम करते या
अपनी फसल के लिए नाचते लोगों में।
सुन्दरता सुनाई देती है
रात में,
आहें भरती पवन में, गिरती वर्षा में,
या कुछ भी गम्भीरता से
एक गायक के जपने में।
सुन्दरता स्वयं है आप ही में
अच्छे फर्मों में, प्रसन्न विचारों में
जो स्वयं को दोहराते हैं
आपके सपनों में,
आपके कार्य में
और साथ ही आपके आरम्भ में।

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (c)

B. 1. growing, working 2. chanting, earnest 3. yourself

C. 1. Beauty is seen in the sunlight, the trees, the birds, corn growing and people working or dancing for their harvest.
2. Beauty is heard in the night, wind sighing, rain falling or a singer singing in earnest.
3. Beauty in ourself is in good deeds and happy thoughts that repeat themselves in our dreams, in our work and even in our rest.

D. – Wind that is sighing
– Rain that is falling
– A singer who is chanting
– Deeds that are good
– Thoughts that are happy
The poet uses shorter phrases to add beauty and rhythm to the poem.

E. Do it yourself. **F.** Do it yourself.

G. Do it yourself. ❑

11. Who I Am

आइए आरंभ करें।

इस अध्याय में हम देखेंगे कि हम कैसे हैं और किस प्रकार प्रत्येक अलग हैं। हम सभी विभिन्न तरीकों से रोचक लोग हैं और हम सब विभिन्न कार्यों में अच्छे हैं। जब आप इसे पढ़ रहे हों, इस बारे में सोचिए कि किस प्रकार के हैं और आपको क्या करने में आनन्द आता है।

भाग 1
अनेक आवाजें

राधा

वृक्षों पर चढ़ना मेरी सबसे प्रिय गतिविधि है। हमारे घर के ठीक बाहर एक आम का वृक्ष जिसके ऊपर चढ़ने से मुझे प्रेम है। इसकी शाखाएँ फैली हुई हैं जिससे वृक्ष पर चढ़ना आसान है और मैं दो शाखाओं के दुशंगे में आराम से बैठ सकती हैं। मेरी माँ मुझसे कहती हैं वृक्षों पर लड़कियों का चढ़ना समझदारी नहीं है, मगर एक दोपहर वे भी चढ़ गईं और हम दोनों वहाँ बैठ कर कच्चे आम खाते और बातें करते रहे। जब मैं वृक्ष पर ऊपर होती हूँ, तो मुझे लगता है कि मैं पूरे विश्व पर शासन कर सकती हूँ।

नासिर

बड़ा होकर मैं बीज एकत्रित करने वाला बनना चाहता हूँ। हमारे गाँव में हमारे कपास के खेत हैं और हर वर्ष, मेरे पिता हमारे कपास के पौधे उगाने के लिए नये बीज खरीदने के लिए ढेर सारा पैसा खर्च करते हैं। मेरे दादाजी ने मुझे बताया था कि कई वर्ष पहले वे अपने पौधों से बीज एकत्रित कर सकते थे जिन्हें अगले वर्ष के दौरान नये पौधे उगाने के लिए बोया जा सकता था। मगर आज वह कार्य नहीं करता इसलिए हमें हर एक वर्ष में नये बीज खरीदने के लिए पैसा खर्च करना पड़ता है। मैं जानना चाहता हूँ कि ऐसा क्यों है। मैं बीजों का संरक्षण करना सीखना चाहता हूँ जिससे कि हम उनका फिर से उपयोग कर सकें और हमें प्रत्येक वर्ष पैसा न खर्च करना पड़े।

रोहित

अगर मेरे पास ढेर सारा पैसा हो तो मैं घूमता ही रहूँ। मैं न्यूजीलैण्ड के पर्वतों को देखना चाहूँगा क्योंकि एक पत्रिका के चित्र में वे बहुत सुन्दर लग रहे थे। मेरी इच्छा है कि मैं दक्षिण अमेरिका में अमेजन नदी पर एक बेड़े पर यात्रा करूँ। मैं लक्षद्वीप के समुद्री तटों पर रहना और मूँगें देखने के लिए नीचे गोता मारना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि मुझे ओडिशा में कोणार्क मंदिर अथवा बीजिंग में पुराने नगर और मिस्र के पिरामिडों भी जाना चाहिए, मगर वास्तव में मुझे पुरानी इमारतों से अधिक प्रकृति को देखने में आनंद आता है।

सर्बजीत

क्या मुझे सबसे अधिक क्रोधित करता है कि जब मैं सत्य बोलता हूँ पर लोग मेरा विश्वास नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए, जब मैं शिक्षिका को बताता हूँ कि मैं अपना गृहकार्य इसलिए नहीं कर पाया क्योंकि रवि ने मेरी पुस्तक उधार ले ली थी और उसे वापस देना भूल गया। अथवा अगर मैं अपने माता-पिता को बताता हूँ कि वह मैं नहीं बल्कि मेरा छोटा भाई था जिसने लड़ाई आरम्भ की अथवा अगर मैं शिक्षिका को बताता हूँ कि मैंने परीक्षा के लिए वास्तव में पढ़ाई की थी चाहे मेरे अंक खराब आये। वे सब मुझे ऐसे देखते हैं कि वे सोच रहे हैं कि मैं झूठ बोल रहा हूँ। उनके चेहरों पर भाव मुझे वास्तव में क्रोधित कर देता है। कभी-कभी मुझे अपने जूतों पर देखते हुए दस तक गिनना पड़ता है जिससे कि मैं न दिखाऊँ कि मैं क्रोधित हूँ।

डोल्मा

जब मैं बड़ी होऊँगी, तो भारत की प्रधानमन्त्री बनूँगी। मैं जब यह कहती हूँ तो लोग सदा हँसते हैं लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं ऐसा करूँगी। मेरी कक्षा में प्रत्येक मुझसे पूछता है कि क्या

करना है जब उन्हें कोई समस्या होती है और जब विद्यालय में कुछ करना हो तो मेरी शिक्षिका मुझ पर सदा विश्वास करती हैं। मैं प्रत्येक के लिए वस्तुएँ बेहतर करना चाहती हूँ। मैं चाहती हूँ कि हमारे अच्छे अस्पताल और सड़कें और विद्यालय हों। मैं सुनिश्चित करना चाहती हूँ भारत में अनेक वैज्ञानिक हों जो बीमारियों के इलाज अविष्कार करेंगे और मंगल ग्रह पर अन्तरिक्षयान भेजेंगे।

पीटर

मेरा पसंदीदा दिन प्रत्येक माह का दूसरा रविवार होता है। इस दिन हमारा पूरा परिवार एक फिल्म देखने के लिए सिनेमा हॉल जाता है। मेरे पिता समय से पहले टिकटें ले लेते हैं और हम सब–मेरी दादी माँ, मेरे माता–पिता, दो भाई और मैं वहाँ जाने के लिए बस लेते हैं। मध्यान्तर में मेरे पिता हमारे लिए मूँगफली खरीदते हैं और मैं हॉल के अँधेरे में खाना और फिल्म देखना बहुत पसंद करता हूँ। बाद में हम आइसक्रीम खाने के लिए सदा रुकते हैं। हरेक का मन अच्छा होता है और हम सब इतनी प्रसन्न परिवार का भाग होने पर भाग्यशाली महसूस करते हैं।

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (b)

B. 1. preserve 2. travel, travel 3. borrowed, failed

C. 1. Nasir wants to become a seed collector so as not to spend money on buying new seeds to grow own cotton plants.
2. What makes Serbjit very angry is when people don't believe him when he is telling the truth.
3. Dolma believes that she'll make a good prime minister. This is because everyone in her class asks her what to do when they have a problem, and her teacher always trusts her when something needs to be done in school. She wants to make things better for everyone. She wants us to have good hospitals and roads and schools.
4. Peter's favourite day is the second Sunday of every month. On this day, he and his family go to watch a film. They eat peanuts and watch the film. Afterwards, they always stop to eat ice-cream.

D. Do it yourself.

E. (i) (c) (ii) (e) (iii) (b) (iv) (h) (v) (j)
(vi) (g) (vii) (f) (viii) (i) (ix) (a) (x) (d)

F. (i) physical (ii) geographical (iii) mathematical
(iv) mental ❑

12. The Wonderful Words

आइए आरंभ करें!

भाषा के बिना एक विश्व की कल्पना करिए। सारे मानव कम–से–कम एक भाषा बोलते हैं। हमारे द्वारा बोले गये शब्द हमारे विचारों को बाहर लाते हैं। शब्दों पर निम्न कविता को पढ़िए।

किसी भी विचार को मुरझाकर मरने मत दीजिए
उसके कहने का तरीका मिलने के अभाव में
क्योंकि अंग्रेजी एक अद्‌भुत खेल है
और आप सब इसे खेल सकते हैं।
आपको केवल शब्दों को मिलाना है
अपने मस्तिष्क के सबसे चमकीले विचारों से
जिससे कि वह सत्य और स्पष्ट बाहर आएँ
जिन्हें खुबसूरत तरीके से तराशा व खिलाया गया हो—
क्योंकि सबसे प्यारी वस्तुएँ
अभी कहीं ही नहीं गई है।
शब्द विचार का भोजन और वस्त्र होते हैं
जो इन्हें इनका शरीर व लहर देते हैं
आज हरेक की सुनने की इच्छा हो रही है
कुछ ताजी और सुन्दर बातें,
मगर एक विचार को केवल शब्द ही मुक्त कर सकते हैं
आपकी आँखों के पीछे उसके कारागार से
हो सकता है आपके मस्तिष्क में अभी हो
एक बहुत बढ़िया नया आश्चर्य!

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (c)

B. 1. you 2. out clear, true 3. loveliest, said

C. 1. English is a wonderful game because it is easy to find correct words to express your thoughts properly. Mind is a factory for lovely thoughts which can be freed from this prison through the use of words.

2. Thoughts come out loud and clear when we match the words to the brightest thoughts in our head.

3. Today everyone is longing to hear some fresh and beautiful thing.

D. (i) Do not let a thought shrivel and die because **for want of a way to say it.**

(ii) English is a **game** with words that everyone can play.

(iii) One has to match **the words to the brigtiest thoughts in one's mind.**

(iv) Words are the **food and dress** of thought.

E. Do it yourself.

❑

13. The Banyan Tree

आइए आरंभ करें!

आपने बरगद का वृक्ष देखा होगा। यह कहानी उसके बारे में है जो लेखक ने एक युवा लड़के के रूप में देखा जब वह अपने दादाजी के घर में एक पुराने बरगद के वृक्ष में बैठा हुआ था।

भाग 1

यद्यपि घर और उसके मेरे दादा-दादी के थे, पुराना शानदार बरगद का वृक्ष मेरा था—मुख्यत: क्योंकि, अब पैंसठ वर्ष की आयु में, दादाजी उस पर नहीं चढ़ सकते थे।

उसकी फैलती शाखाएँ, जो भूमि तक लटकी थीं और जिनमें फिर से जड़ें निकल आई थीं, जिनमें अनेक मुड़े हुए रास्ते बने थे, मुझे अन्तहीन आनंद देते थे। उनके बीच में गिलहरियाँ और घोंघे और तितलियाँ थे। वृक्ष घर से पुराना, दादाजी से पुराना, स्वयं देहरादून जितना पुराना था। मैं स्वयं को उसकी शाखाओं में भारी हरी पत्तियों में छुपकर नीचे की दुनिया की जासूसी करता।

मेरा पहला मित्र एक स्लेटी गिलहरी था। अपनी कमर के गोल किये और वायु में सूँघते हुए, पहली बार में वह अपनी निजता को मेरे द्वारा उल्लंघन को नापसंद करता। मगर जब उसे पता चला कि मेरे पास गुलेल अथवा बन्दूक नहीं है तो वह मैत्रीपूर्ण हो गया और जब मैं उसके लिए केक और बिस्कुट के टुकड़े लाने लगा, वह साहसी हो गया और जल्दी ही मेरे हाथों से भोजन के छोटे टुकड़े लेने लगा। थोड़े समय बाद वह जेबों में गहरे जाकर जो भी उसे मिलता लेने लगा। वह बहुत युवा गिलहरी था और उसके मित्र व रिश्तेदार शायद उसे, एक मानव पर विश्वास करने के लिए मूर्ख और जिद्दी मानते थे।

वसंत में जब बरगद का वृक्ष छोटे, लाल अंजीरों से भरा होता, हर प्रकार के पक्षी: प्रसन्न और लालची गुलादुम बुलबुल, आपस में झगड़ते तोते, मैना और कौवे, उसकी शाखाओं में भरे रहते। अंजीर के मौसम में बरगद का वृक्ष बगीचे में सबसे अधिक शोर-शराबे वाला स्थान होता।

वृक्ष की आधी ऊँचाई पर मैंने एक कच्चा मंच बनाया था, जहाँ जब अधिक गर्मी न होती, मैं अपनी दोपहर व्यतीत करता। बैठक के एक गद्दी को तने पर लगाये और उस पर अपनी कमर टिकाए मैं वहाँ पढ़ता रहता। बरगद वृक्ष के पुस्तकालय में कुछ पुस्तकें Treasure Island, Huckleberry Finn और The Story of Dr. Dolittle थीं।

जब मेरी पढ़ने की इच्छा न होती, तो मैं पत्तियों के मध्य से नीचे की दुनिया को झाँकता और एक विशेष दोपहर को मैंने भारतीय जंगल का एक उत्कृष्ट नमूना, एक नेवले और एक कोबरा की लड़ाई, को सबसे अच्छे स्थान से देखा।

भाग 2

पास आती गर्मी की गुनगुनी समीर ने माली समेत हरेक को घर के भीतर भेज दिया था। मैं स्वयं उनींदा हो रहा था और मैं सोच रहा था क्या मैं तालाब पर जाकर रामू और भैंसों के साथ तैरूँ

कि तभी मैंने कैक्टस की झाड़ियों में से एक विशाल कोबरा को आराम से बाहर आते देखा। उसी समय एक नेवला झाड़ियों से निकल कर सीधा कोबरा की ओर बढ़ा।

बरगद के वृक्ष के नीचे चमकीली धूप में एक खुले स्थान पर उनका आमना-सामना हो गया। कोबरा को भली-भाँति पता था कि तीन फुट लम्बा स्लेटी नेवला एक चालाक, आक्रामक और जबरदस्त लड़ाका था। मगर कोबरा भी एक कुशल और अनुभवी लड़ाका था। वह तेजी से चल सकता और प्रकाश की गति से मार सकता था और उसके नुकीले दाँतों के पीछे थैलियाँ घातक जहर (विष) से भरी थीं। यह विजेताओं का युद्ध होने जा रहा था।

चुनौती से फुफकारते, अपनी दो नोक वाली जीभ को अंदर-बाहर करते, कोबरा ने अपने छह फुट के शरीर में से तीन फुट को ऊपर उठाते हुए अपने चौड़े, चश्मे वाला फन को फैलाया। नेवले ने अपनी पूँछ को फैलाया। उसकी कमर के बाल खड़े थे।

यद्यपि लड़ाके वृक्ष में मेरी उपस्थिति के बारे में अंजान थे, उनको जल्दी ही दो दर्शकों के आने के बारे में पता चला गया। एक मैना थी और दूसरा एक जंगली कौवा था। उन्होंने युद्ध की तैयारियों को देखा था और परिणाम देखने को कैक्टस पर बैठ गये। अगर वे केवल देखने तक ही सन्तुष्ट रहते तो दोनों के साथ सब कुछ अच्छा रहता।

एक ओर से दूसरी ओर हिलते हुए कोबरा बचाव की मुद्रा में खड़ा हुआ, नेवले को गलत कदम उठाने के लिए मोहित करने का प्रयास कर रहा था। मगर नेवला कोबरा की शीशे जैसी और न झपकने वाली आँखों की शक्ति जाँचता था और उससे आँखें न मिला रहा था। इसके बजाय अपनी नजर को कोबरा के फन के नीचे एक स्थान पर गड़ाए, उसने आक्रमण आरंभ किया।

तेजी से आगे बढ़ते हुए जब तक वह केवल कोबरा की पहुँच में आया, नेवले ने एक ओर गति करने का ढोंग किया। तुरन्त ही कोबरा ने चोट की। उसकी बड़ा फन इतनी तेजी से नीचे आया कि मैंने सोचा नेवले को अब कुछ नहीं बचा सकता। मगर वह छोटा जीव सफाई से एक ओर कूद गया और कोबरा के समान ही तेजी से भीतर आया, नाग को कमर पर काटा और तेजी से पहुँच के बाहर निकल गया।

जिस क्षण दोबारा ने चोट मारी, कौवा और मैना तेजी से उसकी ओर उड़े मगर हवा में आपस में ही टकरा गये। एक-दूसरे पर क्रोध में चीखते हुए वे कैक्टस पर वापस लौट गये। कोबरा की कमर पर रक्त की कुछ बूँदें चमक रही थीं।

कोबरा ने चोट मारी और चूक गया। फिर से नेवला तेजी से एक ओर कूदा, भीतर कूदा और काट लिया। फिर से पक्षियों ने साँप पर गोता लगाया, आपस में टकराये और चीखते हुए कैक्टस की सुरक्षा में वापस आ गये।

तीसरा चक्र भी पहले दो के समान चला मगर एक नाटकीय अन्तर के साथ। कौवा और मैना, कार्यक्रम में भाग लेने में अभी भी दृढ़, ने कोबरा पर गोला लगाया, मगर इस बार वे अपने लक्ष्य और एक-दूसरे को भी चूक गये। मैना तो उड़ती हुई अपने ठिकाने को पहुँच गई, मगर कोबरा ने मध्य वायु ने ऊपर उठ कर मुड़ने का प्रयास किया। उसी एक सेकिण्ड में जो पक्षी को यह करने में लगा, कोबरा ने अपने सिर को झटके से पीछे हटाया और बहुत शक्ति से मारा, उसका फन कौवे के शरीर से जोर से टकराया।

मैंने पक्षी को बगीचे में बीस फुट फेंके जाते देखा। वह कुछ देर फड़फड़ाया और शान्त हो गया। मैना कैक्टस पर ही रही और जब नाग और नेवला फिर से लड़ने लगा, तो उसने हस्तक्षेप न करने का बुद्धिमानी भरा निर्णय लिया। कोबरा कमजोर पड़ रहा था और नेवला निडरता से उसकी ओर बढ़ा और अपने छोटे पैरों पर स्वयं को उठाकर बिजली की गति से बड़े नाग को थूथन से पकड़ लिया। कोबरा डरावने ढंग से तड़प और पटक रहा था और अपने आपको नेवले के चारों ओर लपेट लिया मगर कोई फायदा नहीं हुआ। छोटा जीव कस के पकड़े रहा जब तक साँप का तड़पना बंद न हो गया। फिर उसने उसकी काँपती लम्बाई को सूँघा, उसके फन को पकड़ा और उसे झाड़ियों में घसीट ले गया।

मैना सावधानी से भूमि पर उतरी, इधर-उधर कूदी, सुरक्षित दूरी से झाड़ियों में झाँका और फिर बधाई देने की तीखी पुकार के साथ उड़ गई।

Exercise

A. 1. (b); 2. (c); 3. (a)

B. 1. platform 2. drowsy 3. missed

C. 1.

	Mongoose	**Cobra**
(a)	Superb fighter	experienced fighter
(b)	clever	skilful
(c)	aggressive	strike with the speed of light

2. The myna and the jungle crow were the other two spectators. They settled on the cactus to watch the battle of champions.
3. In the end, the crow died as he had been bitten by the cobra. The myna dropped cautiously to the ground, hopped about, peered into the bushes from a safe distance, and with a shrill cry of congratulation, flew away.

D. Do it yourself.

E. The tree is 100 years old.

1. Ruby is short. She is shorter than Zeba and Rani. Zeba and Rani are taller than Ruby. Zeba is as tall as Rani.
2. Vijay is as strong as Akshay. Anwar is stronger than Vijay and Akshay.
3. Srinagar is cold. It is colder than Shimla and Gangtok. Shimla and Gangtok are hotter than Srinagar.
4. Mona's pencil is 5 inches long. It is longer than Romi's pencil and Raja's pencil. Romi's pencil is as long as Raja's pencil.
5. Chennai is hot. Delhi is as hot as Nagpur. Delhi and Nagpur are hotter than Chennai.

F. 1. In the story, the word 'round' means a stage in a fight or competetion.

2. Hari leaves for work at nine every morning. He works in the local <u>branch</u> of the <u>firm</u> of which his uncle is the owner. Hari's success is really the <u>fruit</u> of his own labour. He is happy, but he has a small

problem. The root cause of his problem is a stray dog near his office. The dog welcomes Hari with a loud bark every day.

G. 1. delving 2. gliding 3. darting 4. sprang
5. whipped, back 6. dived

H. 1. The cobra struck the crow, his snout th**udd**ing against its body.
2. The cobra and the myna c**oll**i**ded** in mid-air.
3. The birds dived at the snake, but b**umpe**d into each other instead.

I. 1. Elephants could fly in the sky, like clouds. They could also change their shapes. They would fly behind clouds and frighten them. People would look up the sky in wonder.
2. Because there was no electricity, he would get up with the sun, and he would go to bed with the sun, like the birds.
3. Like the owl, he could see quite well in the dark. He could tell who was coming by listening to their footsteps.

❑

14. Vocation

आइए आरंभ करें!

विद्यालय या बाजार जाते समय आप अनेक लोगों को काम करते देखते हैं। अपने साथी के साथ चर्चा करें कि आपने क्या देखा। फिर इस कविता को पढ़िए। अगर आप चाहें तो अपने साथी के साथ इसे जोर से बोलकर पढ़ सकते हैं।

सवेरे दस बजे जब घंटी बजती है और मैं हमारी गली से विद्यालय जा रहा होता हूँ,
हर दिन मैं, ''चूड़ियाँ, शीशे की चूड़ियाँ'' चिल्लाते फेरी वाले से मिलता हूँ!
उसे कोई आवश्यकता नहीं जल्दी की, किसी सड़क पर जाने की, किसी स्थान पर जाने की, किसी विशेष समय घर आने की।
मेरी इच्छा है मैं फेरीवाला होता, ''चूड़ियाँ, शीशे की चूड़ियाँ!'' चिल्लाते, अपना दिन सड़क पर बिताता होता।
जब दोपहर चार बजे में विद्यालय से वापस आता हूँ,
उस घर के फाटक से माली को खोदते देखता हूँ।
वह अपने फावड़े से जो चाहे करता है, अपने कपड़े धूल में गंदे करता है, कोई उसे कुछ कहती नहीं है, अगर वह धूप में पकता या गीला हो जाता है।
मेरी इच्छा है मैं बगीचे में खुदाई करता माली होता और मुझे कोई रोकने वाला न होता।
शाम को जैसे ही अँधेरा होता और माँ मुझे बिस्तर पर भेज देती हैं। मैं अपनी खुली खिड़की से चौकीदार को ऊपर-नीचे जाते देखता हूँ। गली अँधेरी व सुनसान है और पथ-प्रकाश अपने सिर में लाल आँख वाले एक विशाल दैत्य के समान खड़ा है।

अपनी लालटेन को झुलाते और अपनी छाया को साथ लिए चौकीदार टहलता रहता है और अपने जीवन में कभी भी सोता नहीं है।

मेरी इच्छा है मैं पूरी रात सड़क पर टहलता चौकीदार होता, अपनी लालटेन से परछाइयों का पीछा करता होता।

Exercise

A. 1. (c); 2. (a); 3. (a)

B. 1. hurry 2. soils, dust 3. shadow

C. 1. The speaker in the poem is a young school going child. The speaker meets a hawker, a gardener and a watchman. The hawker is selling bangles, the gardener is digging the ground while the watchman is guarding streets and buildings.

2. In the poem, the child wishes to be a hawker, a gardener and a watchman.

He wants to be a hawker because there is nothing to hurry him on, no road he must take, no place he must go to and no time when he must come home.

He wants to be a gardener because he does what he likes, he soils his clothes, nobody takes him to task if he gets baked in the sun or gets wet.

He wants to be a watchman who walks with his shadow by his side, and never once goes to bed in his life.

D.

The child must come home at a fixed time.	**The child must not get his clothes dirty in the dust.**
The child must hurry home.	He must not take certain road.
The child must go to bed on time.	He must not go to certain places.
The child must eat green vegetables.	The child must not do what he likes.
The child must eat fruits.	He must not lay in the sun.
The child must drink milk.	He must not get wet.
The child must have limited TV time.	The child must not go to lonely and dark places.
	The child must not eat junk food.
	The child must not have colas.

E. Do it yourself.

F. Do it yourself.

❑

15. Fair Play

आइए आरंभ करें!

क्या आपके सबसे अच्छे मित्र ने ऐसा करा है जो आपके विचार में गलत था? फिर आपने क्या किया? क्या आप चुप रहे या आपने अपने मित्र को अपने विचार बताया?

दो मित्रों जिन्हें निर्णय लेना था कि क्या अधिक महत्त्वपूर्ण था—मित्रता और शत्रुता अथवा क्या सत्य है और क्या गलत है का बोध के बारे में इस कहानी को पढ़िए।

भाग 1

जुम्मन शेख और अल्गू चौधरी अच्छे मित्र थे। उनकी मित्रता का बन्धन इतना मजबूत था कि जब उनमें से कोई भी गाँव से बाहर जाता तो दूसरा उसके परिवार का ध्यान रखता। दोनों का गाँव में बहुत सम्मान था।

जुम्मन की एक वृद्ध मौसी थी जिसकी कुछ सम्पत्ति थी। इसे उसने इस शर्त पर स्थानान्तरित किया कि वह उसके साथ रहेगी और वह उसका ध्यान रखेगा। यह व्यवस्था दो वर्षों तक टीक चली। फिर स्थिति बदल गई। जुम्मन और उसका परिवार वृद्ध रिश्तेदार से थक गये थे। उनके प्रति जुम्मन भी अपनी पत्नी जो वृद्ध महिला द्वारा चाहे गये थोड़े से भोजन से कुढ़ती थी, के समान ही उदासीन हो गया। कुछ महीनों तक यह इस अपमान को अपने भोजन के साथ निगलती रही। मगर धैर्य की भी अपनी सीमा होती है।

एक दिन उसने जुम्मन से कहा, ''मेरे बेटे, अब यह स्पष्ट है कि तुम्हारे घर में मेरी आवश्यकता नहीं है। कृपया करके मुझे मासिक भत्ता जिससे कि मैं अलग रसोई बना सकूँ।''

''घर को चलाना मेरी पत्नी को सबसे अच्छा आता है। धैर्य रखो,'' जुम्मन ने बेशर्मी से कहा। इससे उसकी मौसी बहुत क्रोधित हो गई और उसने अपना मामला गाँव की पंचायत में ले जाने का निर्णय लिया।

कई दिनों तक वृद्ध महिला को ग्रामीणों को अपना मामला समझाते और उनका समर्थन माँगते देखा गया। कुछ को उससे सहानुभूति थी, कुछ उस पर हँसे और कुछ और ने उसके भाँजे व उसकी पत्नी से मेल करने को कहा। अन्त में, वह अल्गू चौधरी पर पहुँची और उससे कहा, ''आपको पता है चाची, जुम्मन मेरा सबसे अच्छा मित्र है। मैं उसके विरुद्ध कैसे जा सकता हूँ?'' अल्गू बोला। ''पर मेरे बेटे, चुप रहना और उसे न कहना जो तुम निष्पक्ष और न्यायसंगत मानते हो उसे न कहना, क्या यह सही है?'' वृद्ध महिला ने विनती की। ''पंचायत में आओ और सत्य कहो,'' वह बोली। अल्गू ने उत्तर नहीं दिया किन्तु उसके शब्द उसके कानों में गूँजते रहे।

भाग 2

पंचायत उसी शाम एक पुराने बरगद के वृक्ष के नीचे लगी। जुम्मन ने खड़े होकर कहा, ''पंच की आवाज ईश्वर की आवाज होती है। मेरी मौसी को मुख्य पंच मनोनीत करने दीजिए। मैं उनके निर्णय को स्वीकार करूँगा।''

''पंच न मित्र न शत्रु को मानता है। तुम अल्गू चौधरी को क्या कहते हैं?'' उस वृद्ध महिला ने घोषणा की।

''ठीक है,'' इस अप्रत्याशित भाग्य पर अपनी प्रसन्नता छुपाते हुए जुम्मन बोला। ''चाची, तुम जुम्मन से मेरी मित्रता के बारे में जानती हो,'' अल्गू ने कहा।

''मुझे पता है,'' मौसी बोली, ''मगर मैं यह भी जानती हूँ कि तुम मित्रता के लिए अपनी अन्तरात्मा को नहीं मारोगे। पंच के हृदय में ईश्वर रहता है और उसकी आवाज ईश्वर की आवाज है।'' और वृद्ध महिला ने अपने मामले का विवरण दिया।

''जुम्मन,'' अल्गू ने कहा, ''तुम और मैं पुराने मित्र हैं। तुम्हारी मौसी मुझे भी उतनी ही प्रिय हैं जितने तुम। अब मैं एक पंच हूँ। तुम और तुम्हारी मौसी मेरे सामने बराबर हैं। अपने बचाव में तुम्हें क्या कहना है?''

''तीन वर्ष पूर्व,'' जुम्मन आरम्भ हुआ, ''मेरी मौसी ने अपनी सम्पत्ति मुझे स्थानान्तरित कर दी। मैंने जब तक वे जीवित रहे उनका समर्थन करने का वायदा किया था। मैंने वो सब किया जो मैं कर सकता था। मेरी पत्नी और उनके बीच में दो-चार लड़ाइयाँ हो चुकी हैं मगर मैं उन्हें नहीं रोक सकता। अब मेरी मौसी मुझसे मासिक भत्ता माँग रही हैं। यह सम्भव नहीं है। मुझे केवल यही कहना है।''

जुम्मन ने अल्गू और दूसरों द्वारा प्रश्न पूछे गये। फिर अल्गू ने घोषणा की। ''हमने मामले को ध्यान से देखा है। हमारी राय में जुम्मन को अपनी मौसी को मासिक भत्ता देना होगा अन्यथा सम्पत्ति उन्हें वापस चली जाएगी।''

अब दोनों मित्र कभी-कभार ही साथ दिखते। उनके बीच का मैत्री का बन्धन टूट गया था। वास्तव में, जुम्मन अल्गू का दुश्मन बन गया था और अपना बदला चाहता था।

भाग 3

दिन बीतते गए और दुर्भाग्यवश अल्गू ने स्वयं को मुसीबत में फँसा पाया। उसके अच्छे बैलों के जोड़े में से एक मर गया और उसने दूसरे को गाँव के एक गाड़ीवान समझू साहू को बेच दिया। शर्त यह थी कि समझू बैल की कीमत एक माह में चुका देगा। ऐसा हुआ कि बैल एक माह के भीतर मर गया।

बैल की मृत्यु अनेक माह बाद अल्गू ने समझू को उन पैसों के बारे में याद दिलाया जो उसने अभी नहीं दिये थे। साहू बहुत क्रोधित हुआ, ''मैं तुम्हें उस मनहूस जानवर, जो तुमने मुझे बेचा था, के लिए कौड़ी भी नहीं दूँगा। वह हमारे लिए केवल बर्बादी के कुछ और नहीं लाया। मेरे पास एक बैल है। उसका एक माह तक उपयोग और फिर मुझे वापस कर देना। मरे बैल के लिए कोई पैसा नहीं,'' वह क्रोध से बोला।

अल्गू ने मामले को पंचायत ले जाने का निर्णय लिया। कुछ ही माह में, पंचायत दोबारा लगने की तैयारियाँ होने लगीं और दोनों पक्ष उनका समर्थन जुटाने के लिए लोगों से मिलने लगे।

पंचायत पुराने बरगद के वृक्ष के नीचे लगी। अल्गू खड़ा होकर बोला, ''पंच की आवाज ईश्वर की आवाज है। साहू को मुख्य पंच को मनोनीत करने दें। मैं उसके निर्णय को स्वीकार करूँगा।''

साहू ने अपना मौका देखा और जुम्मन का नाम प्रस्तावित कर दिया। अल्गू का हृदय डूब गया और वह पीला पड़ गया। लेकिन वह क्या कर सकता था?

जिस क्षण जुम्मन मुख्य पंच बना तो उसे न्यायाधीश के अपने उत्तरदायित्व और अपने कार्य की मर्यादा का अहसास हुआ। क्या वह, उस ऊँचे स्थान पर बैठ कर अपना बदला ले सकता है, उसने बहुत सोचा। नहीं, उसे सत्य बोलने और न्याय करने के रास्ते में अपनी निजी भावनाओं के आड़े नहीं आने देना चाहिए।

अल्गू और समझू दोनों ने अपने पक्ष रखे। उनसे प्रश्न पूछे गये और मामले पर गहनता से विचार किया गया। फिर जुम्मन खड़ा हुआ और घोषणा की, ''यह हमारी राय है कि साहू को अल्गू को बैल की कीमत देनी चाहिए। जब साहू ने बैल खरीदा था, तब उसे कोई विकलांगता अथवा बीमारी नहीं थी। बैल की मृत्यु दुर्भाग्यशाली थी परन्तु उसके लिए अल्गू को दोष नहीं दिया जा सकता।''

अल्गू अपनी भावनाओं पर काबू न रख पाया। वह खड़ा हुआ और जोर से बार-बार बोलने लगा, ''पंचायत की जय हो। यही न्याय है। पंच की आवाज में ईश्वर बसता है।

जल्दी ही जुम्मन अल्गू के पास आया और उसे गले लगा कर बोला, ''पिछली पंचायत के बाद से मैं तुम्हारा शत्रु बन गया था। आज मुझे समझ आया कि पंच बनने का क्या अर्थ होता है। वह केवल न्याय जानता है। किसी को भी मित्रता अथवा शत्रुता के लिए न्याय और सत्य की राह से नहीं भटकना चाहिए।''

अल्गू अपने मित्र को गले लगा कर रो दिया और उसके आँसुओं ने उनके बीच की गलतफहमियों की सारी धूल को धो दिया।

Exercise

A. 1. (c); 2. (b); 3. (a)

B. 1. best, house 2. panchayat 3. Jumman, Algu

C. 1. The situation referred here is the one where Jumman's aunt transferred her property to him on the condition that she would live with him and he would look after her.

2. When Jumman's aunt realised that she was not welcome in his house, she suggested that she be given a monthly allowance so that she could set up a separate kitchen.
3. When the aunt said that "God lives in the heart of the *panch*", she meant that the *Panch* is always just and fair because he knows neither friend nor enemy.
4. Algu's problem was that he had sold one of his fine bullocks to a cart driver, Samjhu Sahu, on the condition that the price of the bullock would be paid in a month. But since the bullock died, Sahu refused to pay the money.
5. As head *Panch*, Jumman's verdict was that Sahu should pay Algu the price of the bullock. Algu welcomed the decision and said that a *Panch* has no friend nor enemy.

D. 1. When I saw a pile of dirty dishes, *my heart sank*.

2. He has been told not to *take chances* while driving a car through a crowded street.

3. *As ill luck would have it*, the train I was trying to catch was cancelled.
4. It will *ease my conscience* to know that I had done nothing wrong.
5. The patient needs to be properly *looked after*.
6. The best way to avoid an unnecessary argument is to *keep mum*.
7. They criticised him in the meeting but he *swallowed* all the criticism.
8. I was in *a tight spot* till my friends came to my rescue.
9. I will *go into* the matter carefully before commenting on it.
10. Why don't the two of you *make it up* by shaking hands?

E. 1. set aside 2. set down 3. set out 4. set up
5. sets in

F. 1. close 2. young 3. remember 4. sharp
5. dry

G. Do it yourself. **H.** Do it yourself.

I. Do it yourself.

❑

16. Going to buy a Book

आइए आरंभ करें!

एक दिन, दादाजी ने मेरे भाई
और मुझे कुछ पैसे दिये।
''जाओ और पुस्तकें खरीदो,'' वह बोले।
हम दोनों बहुत प्रसन्न हुए।
हम दोनों पढ़ने से प्रेम करते हैं।
क्या हम अभी जाएँ?
क्या हम बाद में जाएँ?
क्या हम आज जाएँ?
क्या हम कल जाएँ?
हमने अभी जाने का निर्णय लिया।
क्या हम बड़े बाजार जाएँ?
क्या हम छोटी दुकान जाएँ?
क्या हम किसी के साथ जाएँ?
क्या हम अकेले जाएँ?
हमने छोटी दुकान जाने का निर्णय लिया,
केवल हम दोनों।
हमें छोटी दुकान पसंद है।
वह छोटी है मगर उसमें अनेक पुस्तकें हैं।

दुकान में व्यक्ति हमें पसंद करता है।
वह सदा हमारी सहायता करता है।
क्या मैं ढेर सारे चित्रों वाली पुस्तक खरीदूँ?
क्या मैं ढेर सारी कहानियों वाली पुस्तक खरीदूँ?
क्या मैं पतली पुस्तक खरीदूँ?
मैं निर्णय नहीं कर पाई।
हमें पता नहीं था कि कौन-सी पुस्तकें खरीदें।
दुकान में व्यक्ति हमारी ओर मुस्कराया।
''तनाव न लो, मेरे साथ आओ,'' वह बोला।
''यह पुस्तकें जानवरों के बारे में हैं।
ये मशीनों के बारे में हैं।
वे वहाँ पर युद्धों के बारे में हैं।
जो चाहिए ले लो।''
मैंने कुछ पुस्तकें उठाईं।
मेरे भाई ने कुछ पुस्तकें उठाईं।
मैं फर्श पर बैठ गई।
वह कुर्सी पर बैठ गया।
और हम पढ़ते रहे और पढ़ते रहे और पढ़ते रहे।
बहुत शान्ति थी।
कोई आवाज नहीं थी।
एक घंटा बीत गया।
दो घंटे बीत गये।
अन्त में, हम जान गये कौन-सी पुस्तकें खरीदनी हैं।
मैंने ढेर सारी कहानियों वाली एक मोटी पुस्तक खरीदी।
मेरे भाई ने ढेर सारी कहानियों वाली एक बड़ी पुस्तक खरीदी।
हम दौड़ते हुए दादाजी के पास घर भागे।
हम उनके बिस्तर पर चढ़ गये।
उन्होंने हमें बाहों में भर लिया और फिर
हम पढ़ते रहे और पढ़ते रहे और पढ़ते रहे।

Exercise

A. 1. (c); 2. (a); 3. (b)

B. 1. small, many 2. likes 3. finally, books

C. 1. The grandfather gave money to the children to buy books.
2. They went to the small shop to buy books.
3. No, the girl did not buy a picture book.

D. Do it yourself.
E. It was a **dark** night. A **little** girl sat up in bed listening to her mother tell a **nice** story. Her **bright** eyes opened wide and she gave a **beautiful** smile. "Now go to sleep, Priya," her mother closed the book. "**Sweet** dreams."
F. Do it yourself.
G. or, or, and, and, or
H. Do it yourself.
I. Do it yourself.
J. Do it yourself.

❑

17. The Journey Through the Desert

आइए आरंभ करें!

क्या कहानियाँ सुनना अथवा पढ़ना हमारे जीवन को प्रभावित करता है। पेश है कहानी सुनाने की शक्ति के बारे में एक मार्मिक कहानी.....

कुछ वर्ष पहले तक मेरे पास ड्राइवर नहीं था, और हर स्थान पर अपनी गाड़ी स्वयं ही चलाती। वह पैट्रोल पम्प जहाँ से मैं पैट्रोल भरवाती, उसके बराबर में एक सर्विस स्टेशन था। कुछ शनिवार को, मैं अपनी कार को उस सर्विस स्टेशन पर ले जाती और उसकी मरम्मत होने तक वहीं रहती। वहाँ पर दो लड़के थे, शायद पन्द्रह वर्ष के, जो वहाँ काम करते थे। वे समरूप जुड़वा थे। एक का नाम राम और दूसरे का गोपाल था। वे बहुत गरीब थे और विद्यालय नहीं जाते थे, फिर भी वे कई भाषाएँ बोल सकते थे।

यद्यपि बैंगलोर कर्नाटक की राजधानी है, कन्नड़ ही यहाँ बोली जाने वाली एकमात्र भाषा नहीं है। अनेक लोग यहाँ प्रदेश के बाहर से आकर इस सुन्दर नगर में बस गये हैं, अत: बैंगलोर बहुत सर्वव्यापी बन गया है। यह लड़के स्टेशन पर कार्य करते समय अनेक लोगों से मिले थे और इसलिए कन्नड़, जो इनकी मातृभाषा थी, बोल सकते थे और साथ ही तमिल, तेलुगू और हिन्दी। राम और गोपाल चपरासी का कार्य करते थे। वे सदा बहुत प्रसन्न रहते और हर कोई उन्हें पसंद करता। मेरी कार की मरम्मत होने में लगभग दो घंटे लगते। लड़के मेरे लिए कुर्सी लाते और मैं वृक्ष की छाँव में बैठ कर कुछ पुस्तकें पढ़ती।

समय बीतने के साथ मैं उनसे मैत्रीपूर्ण हो गई और उन्होंने मुझे अपने जीवन के बारे में बताया। उनके पिता नहीं थे। उनकी माँ मजदूरी करती थी। वे पास की एक झुग्गी में अपने मामा के साथ रहते थे। वे कक्षा चार तक पढ़े थे मगर छोड़ना पड़ा क्योंकि जारी रखने के लिए वे बहुत गरीब थे। उन्हें घर पर पढ़ाने और मार्गदर्शन करने के लिए कोई नहीं था। यद्यपि सर्विस स्टेशन पर वेतन अधिक नहीं था, उन्हें नाश्ता और दोपहर का भोजन मुफ्त मिलता और कभी कार मालिकों से बख्शीश मिल जाती। उनके कार्य के घंटे तय नहीं थे। वे सवेरे लगभग आठ बजे आते और घर केवल शाम के आठ बजे ही जा पाते। उन्हें केवल रविवार को ही अवकाश मिलता।

उनके द्वारा झेली जाने वाली सारी समस्याओं के बावजूद, यह बच्चे सदा मुस्कराते रहते। वे कभी न नहीं कहते और करने के लिए कहे गये कार्य की कभी शिकायत नहीं करते थे। मैंने अनेक धनी परिवारों में दुखी और नाखुश बच्चे देखे हैं। अगर आप उन्हें कार्य करने को कहें, वे उन्हें टालने के सैकड़ों कारण देंगे। मेरे विचार से प्रसन्नता बैंक में जमा धन पर निर्भर नहीं होती। मैं उन दोनों लड़कों को उनके उत्साह के लिए वास्तव में पसंद करती थी। कभी-कभार मैं उनके लिए कुछ खाने की वस्तुएँ और पुरानी कमीजें ले जाती। वे वस्त्रों को बहुत प्रसन्नता से लेते मानो वे रेशम के बने हों। मगर मैंने उन्हें वे वस्त्र पहने कभी नहीं देखा। जब मैंने पूछा, उन्होंने कहा, ''मैडम, हम कार्य के लिए सदा गंदे वस्त्र पहनते हैं क्योंकि स्टेशन पर वे तेल में पुत जाते हैं।''

एक बार मैं उनके लिए यह सोच कर कि वे उन्हें रात में पढ़ लेंगे, कुछ कहानियों की पुस्तकें ले गई, आखिरकार, जब उनकी आयु के बच्चे विद्यालय में पढ़ रहे थे और हॉकी और शतरंज की प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे थे, ये लड़के गुजारा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे। मगर जब मैंने उन्हें कहानी की पुस्तकें दीं, उनके चेहरे पीले पड़ गये और मैंने उनके चेहरों पर नाखुशी का भाव देखा। वे बोले, ''मैडम हमें पढ़ने में बहुत समय लगता है क्योंकि हमें पढ़ने की आदत नहीं है। क्या आप हमें कहानी सुनाएँगी?''

''मैं तुम्हें कहानी यहाँ कैसे सुनाऊँगी जब तुम सारे समय काम करते रहते हो?''

''हमें लगभग चार बजे कुछ खाली समय मिलता है। जब आप अपनी कार की मरम्मत कराने आएँ, हम आपके साथ बैठ जाएँगे और कहानी सुनेंगे।''

उनकी आँखों की दो जोड़ियाँ कहानियों के लिए मुझसे याचना कर रही थीं और मैं न नहीं कह सकी। मुझे याद आया कि कैसे मेरे बच्चे सदा जोर देते कि मैं उन्हें रात में कहानी सुनाऊँ। मैं मान गई। इस प्रकार प्रत्येक शनिवार की शाम को उन्हें कहानियाँ सुनाना मेरे लिए सामान्य हो गया। अगर मेरी कार को मरम्मत की आवश्यकता नहीं होती, तब भी मैं वहाँ जाती। जब मैं उन्हें अपनी कहानियाँ सुनती, वे बहुत सचेत रहते और औरों के लिए बेसब्री से इंतजार करते। ऐसा कई माह तक चलता रहा। फिर मैंने एक ड्राइवर रखने का निर्णय लिया और स्वयं कार चलाना बन्द कर दिया। उसके बाद मेरा ड्राइवर कार को मरम्मत के लिए ले जाने लगा और मैं राम और गोपाल से लंबे समय तक नहीं मिली।

समय जल के समान बहता है। एक दिन, लगभग एक दशक के बाद, मेरे ड्राइवर ने कार में एक समस्या के बारे में बताया। मैंने उसे कार की मरम्मत करने को कहा। मेरी पुरानी कार की जीवन अवधि समाप्त हो चुकी थी मगर अभी भी कार्य कर रही थी। जब मेरा ड्राइवर गैरिज से वापस आया, वह बोला, ''कार पर कार्य करने के बाद मिस्त्री ने आपके बारे में पूछा। क्या आप गुड लक गैरिज के मालिक को जानती हैं?''

''मैंने नाम नहीं सुना है। क्या यह नई गैरिज है?''

''अपेक्षाकृत नई है। मैं सदा नौजवानों की गैरिज जाना पसंद करता हूँ। यह नौजवान बहुत ईमानदार है। ऐसा लगता है वह आपको लंबे समय से जानता है। उसने पूछा कि क्या आप अभी भी कॉलेज में पढ़ा रही हैं।''

मैं किसी के बारे में नहीं सोच पाई जो अब एक गैरिज का मालिक हो। चूँकि मेरे ड्राइवर को उसका नाम भी नहीं पता था, मुझे उसका पता न चला और मान लिया कि वह मेरा कोई पुराना छात्र होगा, यद्यपि मैं कम्प्यूटर साइंस पढ़ाती हूँ, मेरी समझ में नहीं आया कि यह व्यक्ति ऑटोमोबाइल्स इंजीनियरिंग में कैसे चला गया। बाद में, जब मेरे ड्राइवर ने दोबारा बताया कि गैरिज के मालिक ने मेरे बारे में पूछा था, मेरे को लगा कि मुझे जाकर उस व्यक्ति से मिलना चाहिए जो मेरे कल्याण में इतनी रुचि ले रहा था।

अगले दिन मैं गुड लक गैरिज गई। यह अच्छी तरह से सुसज्जित एक आधुनिक गैरिज थी। वहाँ एक शीशे का केबिन था जहाँ मुझे लगा कि मालिक बैठा हो। जैसे ही मैं भीतर घुसी, नीली पोशाक पहने एक सजीले नौजवान ने मेरा अभिवादन किया। वह अपने हाथ में एक पाना और पेंचकस लिए था।

''मैडम, कृपया आकर केबिन में बैठिए। मैं एक मिनट में हाथ धोकर आपके पास आता हूँ।''

मैं उसके कार्यालय में सोफे पर बैठ गई। वह एक अच्छा व्यवहारिक कार्यालय था। नौजवान थोड़ा जाना-पहचाना लग रहा था। मैं जानती थी कि मैं उससे कहीं मिली हूँ पर समझ नहीं पा रही थी। मैंने सोचा कि शायद इस लड़के को प्री-युनिवर्सिटी में पढ़ाया है। उस समय, लड़के सोलह या सत्रह वर्ष के ऊर्जा से भरे किशोर के होते हैं। उनके बड़े होने के बाद जब मैं उनसे मिलती हूँ, मैं उन्हें पहचानने में अक्सर असफल रहती हूँ। वे इतने भिन्न और परिपक्व हो जाते हैं। वह नौजवान जल का एक गिलास और एक मग कॉफी लेकर आया।

''मैडम, आप बहुत बदल गई हैं। आप वृद्ध और थकी लग रही है।''

''मुझे क्षमा करें पर मुझे आपका नाम याद नहीं आ रहा। मुझे क्षमा करें और मुझे अपना नाम बताइए। जैसा कि आपने कहा, मैं वृद्ध हो रही हूँ।''

वह मुझे देख कर मुस्कुराया। उसके गाल में एक गड्ढा था और तब मुझे पता चला कि वह कौन था। वह उन दो बच्चों में से एक था जो एक दशक पहले गैरिज में कार्य करते थे। क्या वह राम या गोपाल था? उन दिनों में भी मैं भ्रमित हो जाती थी। मैंने उससे पूछा, ''क्या तुम राम हो या गोपाल हो?''

''मैडम, मैं राम हूँ।''

''कृपया बैठो। मैं तुम्हें इस स्थिति में देखकर बहुत प्रसन्न हूँ।''

मैं अब समझ गई कि राम ने मेरी कार को पहचानने के बाद मेरे बारे में क्यों पूछा था।

''मैडम, मैं उन दिनों में आपके द्वारा की गई सहायता के लिए कृतज्ञ हूँ।''

''मैंने क्या सहायता की? मैं तो तुम्हें कुछ पुरानी कमीजें और खाने की वस्तुएँ देती और कुछ कहानियाँ सुनाती थीं।''

''मैडम, आप नहीं जानती आपकी कहानियों ने किस प्रकार मेरा जीवन बदल दिया। क्या आपको वो कहानियाँ याद हैं जो आपने हमें सुनाई थीं?''

मुझे याद नहीं। मेरे दिमाग में कहानियों के समंदर में से मैंने कुछ उन्हें सुनाई थी।

''नहीं, मुझे याद नहीं है।''

वह मेरे सामने बैठ गया, अपनी आँखें बंद की और अपनी कहानी सुनानी आरंभ की।

''मैडम, हमारा जीवन बहुत मुश्किल था। आपको उस बारे में पता है। हर शनिवार को आपके आने का हमें इंतजार रहता था। जब हम आपकी कहानियाँ सुना करते थे। हम अपने मामा के साथ रहते थे और जो भी हम कमाते, वह ले लेते थे। आपकी कहानियाँ ही हमारे कठिन और उबाऊ जीवन से एकमात्र बचाव थीं। हमारे कार्य के घंटे लंबे थे। मुझे लगता था कि मैं विद्यालय जाऊँ और अपनी पढ़ाई जारी रखूँ। मगर सारे रात्रि विद्यालय हमारे रहने के स्थान से दूर थे। घर से किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता या समर्थन के बिना, लगता था कि पढ़ना केवल स्वप्न ही रहेगा, जब तक हमने आप की कहानियों में से एक न सुनी। उसने हमारे जीवन में बहुत बड़ा अन्तर पैदा किया।''

अब मैं जानने को उत्सुक थी कि आगे क्या हुआ।

''मुझे बताओ वह कहानी कौन-सी थी।'' अब भूमिकाएँ बदल गई थीं। मैं सुनने वाली थी और वह कहानी सुनाने वाला था।

''एक बार किसी गाँव में अनेक गरीब व्यक्ति थे। वे सब एक रेगिस्तान को पार करके एक नगर जाना चाहते थे जहाँ जीवन बेहतर और भविष्य उज्जवल था। अनेक लड़के जाना चाहते थे। गाँव में बड़ों ने उन्हें बताया था, ''अगर तुम जीवन में कुछ करना चाहते हो, तुम्हें उस नगर जाना ही होगा। रेगिस्तान से पत्थर उठाकर उस नगर ले जाओ। कोई-न-कोई खरीदार तुम्हें उन विलक्षण पत्थरों की कीमत देगा।'' एक सवेरे, दो लड़के अपनी यात्रा पर निकले। वे अपने साथ जल व भोजन ले जा रहे थे। आरंभ में रेत अभी ठंडी थी और सूर्य अभी गर्म न था। उन्हें थकान नहीं हो रही थी और वे चलते गये। कुछ समय पश्चात् सूर्य उनके सिरों के ऊपर आ गया और रेत गर्म होने लगी। एक लंबे समय बाद, उन्हें लगा कि वे रेगिस्तान के सिरे पर पहुँच गये हैं। इसलिए उन्होंने सारा भोजन खा लिया और सारा जल पी लिया। मगर जल्दी ही उन्हें आभास हुआ कि वे केवल आधा ही रेगिस्तान चले हैं।

नगर में बेचने के लिए वे पत्थर एकत्रित करने लगे। कुछ समय बाद उनके बस्ते पत्थरों से भर और भारी हो गये। एक लड़के को लगा कि वह उठाने को बहुत भारी है अत: उसने सारे पत्थर फेंक दिये और वापस जाने का निर्णय लिया। दूसरा लड़का बोला, ''हमसे जो हमारे बड़ों ने कहा है वह करना चाहिए। कुछ भी हो, हमें यह रेगिस्तान पार करके नगर जाना होगा।''

पहले लड़के ने नहीं सुनी और वापस चला गया। दूसरे लड़के ने नगर की ओर चलाना जारी रखा। पत्थर एकत्रित करते, अकेले यात्रा करते, पीने के लिए बिना जल के, वह एक कठिन यात्रा थी। अनेक बार उसे लगा कि उसका मित्र सही था। यह अवश्म्भावी नहीं था कि कोई उनके पत्थर खरीदे ही।

किन्तु विश्वास और उम्मीद के भरोसे वह चलता रहा। काफी समय चलने के बाद वह नगर पहुँच गया। यह देखकर उसे बहुत निराशा हुई कि वह किसी अन्य नगर जैसा ही था। पास ही में एक धर्मशाला थी। अँधेरा होने लगा था और वह थका हुआ था। इसलिए उसने वहाँ रात बिताने का निर्णय लिया।

अगले सवेरे, जब वह जगा, वह अपने द्वारा एकत्रित किये गये उन भारी पत्थरों को फेंककर अपने गाँव वापस लौटना चाहता था। उसने अपना बस्ता खोला। उसे आश्चर्य हुआ उसने जो देखा। सारे पत्थर बड़े हीरे बन गये थे! एक क्षण में ही वह लखपति बन गया था।

आपको याद है, मैडम, आपने कहानी का अर्थ भी बताया था? एक छात्र का जीवन रेगिस्तान के समान परीक्षाएँ गर्म सूर्य के समान, मुश्किलें गर्म रेत के समान और पढ़ाई भूख और प्यास के समान होते हैं। एक छात्र के रूप में आपको, जैसा कि कहानी में लड़का पत्थर एकत्रित करता है, आपको ज्ञान और कौशल एकत्रित करते हुए अकेले चलना होता है। जितने अधिक आप एकत्रित करेंगे, आपका जीवन उतना ही बेहतर होगा।

कहानी सुनने के बाद, मैंने हर कठिनाई के बावजूद पढ़ने का निर्णय लिया। ढेर सारे दृढ़ निश्चय के साथ और कठिनाइयों को पार करते हुए मैंने विद्यालय में पढ़ाई समाप्त की। सर्विस स्टेशन के मालिक भी सहायता करने वाले थे। जब मेरे अच्छे अंक आये तो उन्होंने ऑटोमोबाइल्स डिप्लोमा के लिए मेरा शुल्क भरने में मेरी सहायता की। पढ़ते समय भी मैं कार्य करता रहा। बाद में मैंने बैंक से कर्ज लेकर यह गैरिज खड़ी की। ईश्वर के आशीर्वाद से, मैं सफल रहा हूँ। मैंने कर्ज वापस चुका दिया है और अब एक मुक्त व्यक्ति हूँ।

मैडम, अमीर लोग नया कार्य आरम्भ करने में आमतौर पर डरते हैं। वे महसूस करते हैं कि अगर कार्य असफल हुआ, तो उनका पैसा डूब जाएगा। मेरे पास कभी कुछ खोने को नहीं था।''

मुझे भी मेरे अनुभव से सीखने को मिला था। ''अब गोपाल कहाँ है?''

''वह आपकी एक और कहानी से प्रेरित था।'' राम उदास दिख रहा था।

''क्या हुआ?''

''आपके द्वारा सुनाई गई दूसरी कहानी में, एक रेगिस्तान में एक सियार था। एक सवेरे वह चलते हुए सूर्य के सामने आया। उसने पाया कि उसकी छाया उससे बड़ी थी। वह इतनी बड़ी थी कि उसने दोपहर के भोजन के लिए ऊँट का शिकार करने का निर्णय लिया। उसने पूरा दिन ऊँट को ढूँढ़ने में लगाया और उन छोटे जीवों पर ध्यान नहीं दिया जिन्हें वह पकड़ सकता था। शाम हो रही थी मगर उसे ऊँट नहीं मिला था। तब तक, उसकी छाया उससे भी छोटी हो गई थी। इसलिए वह चूहे की तलाश में लग गया।

गोपाल सियार के समान था। उसने सदा अपनी क्षमता से बाहर की वस्तुओं को करने का प्रयास किया और बुरी तरह असफल रहा। वह मेरे साथ भी कार्य नहीं करना चाहता। अब वह एक कार्यालय में चपरासी है।''

मैं यह सुनकर, कि मेरे द्वारा उन्हें सुनाई गई छोटी कहानियों ने इतना नाटकीय बदलाव किया था, आश्चर्य के कारण बोलने में असमर्थ थी। उन्हें सुनाते समय मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि ऐसा सम्भव होगा। मैं इन कहानियों की मूल लेखक भी नहीं थी। मैं केवल उस व्यक्ति को शान्ति से नमस्कार कर सकती थी जिसने पहले इन कहानियों को सोचा होगा। क्या उसे इस प्रभाव का पता होगा, जो इतने वर्षों बाद दो बच्चों पर पड़ेगा?

Exercise

A. 1. (a); 2. (c); 3. (a); 4. (a); 5. (b)

B. 1. T 2. F 3. F 4. T

C. 1. The author took her car to the service station, beside the petrol station, to get it serviced.

2. Ram and Gopal were fifteen years old identical twins who worked at the service station.
3. The two boys were enthusiastic who were very cheerful and smiling. They never grumbled or said no about any work they were told to do.
4. The author stopped going to get her car serviced because she got a driver who took the car for servicing.
5. The author was dumbstruck as to how the small stories she had told to Ram and Gopal brought about such dramatic changes.

D. (i) Cooking is an interesting activity. It is an interesting thing to do. Also you can eat and enjoy the results of your cooking. It amuses you and takes your mind off your troubles.

(ii) It was a new and interesting activity. Cooking was good for the children. They also ate and enjoyed the results of their cooking. It amused them and took their minds off their troubles.

E. Do it yourself.

F. Do it yourself.

❑

Half-Yearly Model Test Paper

(Based on Lessons 1 to 8)

A. 1. (c) 2. (b) 3. (b) 4. (b) 5. (a)

B. 1. grounds 2. elf 3. kinsman 4. crest, pulls
5. waterfall, rock

C. 1. (f) 2. (a) 3. (b) 4. (e) 5. (h)
6. (d) 7. (c) 8. (g)

D. 1. The little man granted Patrick a wish because he didn't want to be given back to that cat.
2. He served the Lion for a long time because it was a good life and he had nothing to be afraid of, for there was no stronger beast in the forest than the Lion and no one dared touch the Dog or offend him in any way.
3. He finally chose man as his master because he was stronger than anyone on earth.
4. The raggeder thing we will never see is when the kite flaps on a string in the top of a tree.
5. Suddenly, the poetess' brother thumped her on the back and said that he was in the wrong.

E. **Across (→)**

1. WEARY
2. SCOWLED
3. BREECHES
4. GLITCH
5. ELF

Down (↓)

6. CHORES
7. HAMPER
8. SHRIEKED

❑

Annual Model Test Paper

(Based on Lessons 9 to 17)

A. 1. (a) 2. (c) 3. (c) 4. (a) 5. (a)

B. 1. preserve 2. platform 3. shadow 4. panchayat 5. Jumman, Algu

C. 1. (f) 2. (e) 3. (d) 4. (g) 5. (b) 6. (a) 7. (c)

D.
1. Nasir wants to become a seed collector so as not to spend money on buying new seeds to grow own cotton plants.
2. Algu's problem was that he had sold one of his fine bullocks to a cart driver, Samjhu Sahu, on the condition that the price of the bullock would be paid in a month. But since the bullock died, Sahu refused to pay the money.
3. As head *Panch*, Jumman's verdict was that Sahu should pay Algu the price of the bullock. Algu welcomed the decision and said that a *Panch* has no friend nor enemy.
4. The grandfather gave money to the children to buy books.
5. They went to the small shop to buy books.

E.

1.	identified	**unidentified**
2.	controlled	**uncontrolled**
3.	attended	**unattended**
4.	successful	**unsuccessful**
5.	important	**unimportant**
6.	educated	**uneducated**
7.	interesting	**uninteresting**
8.	qualified	**unqualified**
9.	trained	**untrained**
10.	answerable	**unanswerable**

❑